इंदौर, शुक्रवार 03 अप्रैल 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 134
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई – एमपीएचआईएन/2021/81650

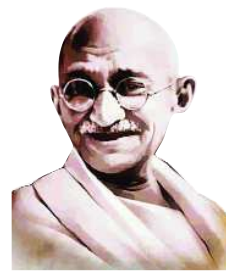

राष्ट्रपिता को नमन...

good friday

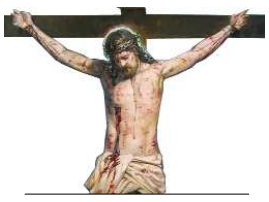

बलिदान, क्षमा और मानवता का संदेश : गुड फ्राइडे आज

अक्षय की बात अपनो के साथ

आज दुनियाभर में ईसाई समुदाय द्वारा गुड फ्राइडे श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन ईसा मसीह के बलिदान और मानवता के लिए दिए गए उनके सर्वोच्च त्याग की याद दिलाता है। माना जाता है कि इसी दिन उन्हें सूली पर चढ़ाया गया था।

गुड फ्राइडे को 'अच्छा' इसलिए कहा जाता है क्योंकि ईसा मसीह ने अपने कष्ट और मृत्यु के माध्यम से मानव जाति के पापों का प्रायश्चित किया और प्रेम, क्षमा व करुणा का संदेश दिया। यह दिन हमें सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी इंसान को धैर्य, सहनशीलता और परोपकार का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। देश-विदेश के चर्चों में विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की जा रही हैं। श्रद्धालु उपवास रखते हुए प्रभु की आराधना करते हैं और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। कई स्थानों पर जुलूस और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से ईसा मसीह के जीवन और उनके अंतिम क्षणों को जीवंत किया जाता है। गुड फ्राइडे केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक प्रेरणा है। यह दिन हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम अपने जीवन में कितनी सहनशीलता, प्रेम और क्षमा को अपनाते हैं।

अंदर के पन्नों पर...

रणजीत हनुमान के दरबार में महाभोज

पेज-2

शिवाजी मार्केट की 16 दुकानें टूटेंगी

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- मालदा हिंसा का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, बागडोगरा एयरपोर्ट से पुलिस ने दबोचा
- परमाणु बैलिस्टिक पनडुब्बी INS अरिदमन आज भारतीय नौसेना में होगी शामिल
- मिडिल ईस्ट : ईरान के सबसे बड़े पुल पर हमले में 8 नागरिकों की मौत, 95 घायल
- सिविलियन साइट पर हमले करके अमेरिका जंग में अपनी हार का दे रहा संदेश : ईरान
- रूस के उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने पीएम मोदी से की मुलाकात, रणनीतिक संबंधों पर हुई चर्चा
- अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख रैंडी जॉर्ज को पद छोड़ने को कहा

सत्ता पर संगठन हावी

टेलर की कटिंग से इंदौर के नेताओं के पर कटे

'गौरव' का गौरव घटा, सुमित के हाथ कुछ नहीं लगा

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर/भोपाल • दैनिक इंदौर संकेत
भारतीय जनता युवा मोर्चा की नई प्रदेश कार्यकारिणी में इंदौर के 8 युवा चेहरों को जगह मिली है। सूची में शामिल इन नामों के बाद टेलर की कटिंग से इंदौर के कई नेताओं के पर काट दिए गए हैं। इंदौर में जो भी नियुक्तियां हुई है, उसमें संघ एवं संगठन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देखा जाए प्रदेश महामंत्री गौरव रणदीवे केवल एकमात्र नाम नयन दुबे को महामंत्री बनाने के लिए अड़े थे और उनके गौरव को घटाते हुए उनके कट्टर समर्थक को सोशल मीडिया पर फेंक दिया। शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा बड़ी-बड़ी बातों के लिए माने जाते हैं। उनके कट्टर समर्थक मयूरेश पिंगले, अक्षय चौधरी, रोहित चौधरी के लिए लाख कोशिश करने के बाद भी कार्यकारिणी में जगह नहीं दिला पाए। लगता है अब उनका दंभ टूट गया होगा। रमेश मेंदोला एवं मालिनी गौड़, महेन्द्र हार्डिया भी अपने किसी समर्थकों को एंट्री नहीं दिला सके।
विवेक शर्मा जिन्होंने उपाध्यक्ष पद पाया है, उनके लिए मध्य प्रांत के एक प्रचारक ने वीटो कर रखा था। उन्होंने अपने कट्टर समर्थक डॉ. निशांत खरे को इसकी जिम्मेदारी दे रखी थी। जहां तक घनश्याम सिंह को मंत्री पद मिला है, उसके पीछे भी अखिल विद्यार्थी परिषद् संगठन के क्षेत्रीय प्रचारक की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है, जबकि घनश्याम सिंह को इंदौर के किसी भी नेता ने अपनी तरफ से नाम नहीं दिया था।

इंदौर से शामिल नाम और उनके सियासी संकेत

विवेक शर्मा : संगठन में सक्रिय रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में उनकी मौजूदगी कुछ खास राजनीतिक कार्यक्रमों में बढ़ी है। उनकी नियुक्ति के अंदर डॉ. निशांत खरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही और मध्य प्रांत के एक प्रचारक का विशेष योगदान रहा।

अंकित रावल : यह भी टीनू जैन की सिफारिश के दम पर बने है। टीनू जैन ने इनके लिए वीडी शर्मा से सिफारिश करवाई थी।

नयन दुबे : युवा मोर्चा के कार्यक्रमों में लगातार सक्रिय चेहरा। प्रदेश महामंत्री गौरव रवदीवे की सिफारिश के बावजूद इन्हें मात्र सोशल मीडिया का प्रभारी बनाकर गौरव के पर काट दिए गए हैं। ऐसा लगता है हितानंद शर्मा के जाने के बाद गौरव का गौरव कम हो गया है।

घनश्याम सिंह : इनका नाम सामने आते ही राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हुई। माना जा रहा है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के क्षेत्रीय प्रचारक की सिफारिश के कारण इन्हें पद की प्राप्ति हुई है। यह भी संगठन की नियुक्ति ही मानी जा रही है।

अमन यादव : सामाजिक और जातीय समीकरण के लिहाज से अहम चेहरा। इनकी नियुक्ति को ओबीसी समीकरण साधने की रणनीति से जोड़ा जा रहा है। यह आकाश विजयवर्गीय के समर्थक है।

भावेश दवे : संगठन और वैचारिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। यह महापौर पुष्यमित्र भार्गव के खास समर्थक माने जाते हैं। महापौर के हाथ एकमात्र पद की प्राप्ति हुई है।

स्निग्धा मौर्य : महिला प्रतिनिधित्व और युवा नेतृत्व के संतुलन में इनका चयन अहम माना जा रहा है। इनके पीछे महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति दिखती है।

आशीष हार्डिया : स्थानीय राजनीति में तेजी से उभरता नाम। सूत्रों के अनुसार इनकी पकड़ प्रभावशाली राजनीतिक समूहों के साथ मजबूत मानी जाती है।

इस पूरी सूची को देखें तो साफ नजर आता है कि सत्ता पर संगठन काफी हावी रहा। इन नियुक्तियों में मध्य प्रांत के प्रांत प्रचारक और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के क्षेत्रीय प्रचारक महत्वपूर्ण पद ले जाने में सफल रहे। स्थानीय नेताओं को केवल झुनझुना हाथ में आया है।

जीतू पटवारी देर रात पहुंचे विधानसभा सचिवालय

राजेन्द्र भारती की विधानसभा सदस्यता खत्म

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • विधानसभा सचिवालय ने दतिया विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता खत्म करने का आदेश जारी कर दिया है। कल देर रात रात करीब साढ़े दस बजे प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा विधानसभा पहुंचे। इसके बाद सचिवालय खोलकर भारती की सीट रिक्त घोषित करने का पत्र चुनाव आयोग को भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई।

इधर, घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व विधायक पीसी शर्मा भी रात में ही विधानसभा पहुंच गए। दोनों नेता सीधे प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा के चैंबर में पहुंचे और पूछा कि इतनी रात में विधानसभा क्यों खोली गई? शर्मा के बिना जवाब दिए वहां से निकलने के बाद पटवारी ने आरोप लगाया कि भारती की सदस्यता खत्म करने के लिए यह कदम भाजपा के इशारे पर उठाया गया। यह नियमों के खिलाफ है।

27 साल पुराने मामले में मिली सजा-दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को 27 साल पुराने एफडी हेराफेरी मामले में दोषी करार दिया गया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार सुबह 11 बजे भारती को सजा सुनाने की प्रक्रिया शुरू की और दोपहर 12:41 बजे 3 साल की सजा का फैसला सार्वजनिक हुआ। हालांकि, कोर्ट ने अपील के लिए 60 दिन की मोहलत देते हुए सजा निलंबित रखी है। सहआरोपी बैंक क्लर्क रघुवीर प्रजापति को भी दोषी ठहराया गया है। कोर्ट ने भारती को आपराधिक साजिश (धारा 120B) और धोखाधड़ी व जालसाजी (धारा 420, 467, 468, 471) में दोषी माना। उन्हें दो धाराओं में 3-3 साल और एक धारा में 2 साल की सजा सुनाई है। इससे उनकी विधायकी पर खतरा बना हुआ है।

वरिष्ठ वकीलों के अनुसार, अपील के लिए उन्हें 60 दिन मिलेंगे। अगर हाईकोर्ट से सजा पर स्थगन (स्टे) मिल जाता है, तो उनकी विधायकी बरकरार रह सकती है।

फर्जी दस्तावेजों से FD का ब्याज निकाला

घटनाक्रम की शुरुआत 1998 में तब हुई, जब श्याम सुंदर संस्थान की अध्यक्ष और राजेंद्र भारती की मां सावित्री श्याम ने दतिया सहकारी ग्रामीण विकास बैंक में 10 लाख रुपए की एफडी की थी। साल 1998 से 2001 के बीच राजेंद्र भारती उसी बैंक के संचालक मंडल के अध्यक्ष थे। वे श्याम सुंदर संस्थान के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के सदस्य भी थे। भारती ने क्लर्क रघुवीर प्रजापति के साथ मिलकर बैंक के रिकॉर्ड में हेरफर की और एफडी की अवधि 3 साल से बढ़ाकर 15 साल कर दी। इसके बाद सालाना 13.5% की दर से ब्याज के 1,35,000 रुपए साल 1999 से 2011 के बीच निकाले गए।

बीजेपी नेता ने किया मामले को उजागर

3 मार्च 2011 को बैंक अध्यक्ष बने भाजपा नेता पप्पू पुजारी मामले को सामने लाए। सहकारिता विभाग के तत्कालीन संयुक्त पंजीयक अभय खरे ने जांच की, जिसमें एफडी पर ऑडिट आपत्ति दर्ज हुई। 2012 में भारती ने बैंक से एफडी की राशि मांगी, लेकिन ऑडिट आपत्ति के चलते भुगतान से इनकार किया गया। भुगतान न मिलने पर भारती उपभोक्ता फोरम पहुंचे, जहां से राहत नहीं मिली।

राज्य उपभोक्ता फोरम से राहत मिलने के बाद मामला राष्ट्रीय उपभोक्ता फोरम और फिर सुप्रीम कोर्ट तक गया, जहां से भी राहत नहीं मिली। इसके बाद 2015 में तत्कालीन कलेक्टर प्रकाशचंद्र जांगड़े ने आपराधिक मामला दर्ज कराने की पहल की। कोर्ट के आदेश पर आईपीसी की अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज हुआ।

2 साल या ज्यादा सजा पर विधायकी जाने का प्रावधान

कानूनी प्रावधानों के अनुसार 2 साल या उससे अधिक की सजा होने पर विधायकी स्वत: जा सकती है। दतिया विधायक राजेंद्र भारती को 3 साल की सजा हुई है। सीट खाली होने पर उपचुनाव की स्थिति बन सकती है हालांकि, हाईकोर्ट से सजा पर स्टे मिलने पर राहत संभव है। विधायक के बेटे अनुज भारती ने बताया कि उनके पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वे फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेंगे और जमानत के लिए आवेदन देंगे। मध्य प्रदेश के दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को दिल्ली MP-MLA कोर्ट ने भूमि विकास बैंक से जुड़े मामले में बुधवार को दोषी करार दिया है। न्यायालय ने उन्हें IPC की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत दोषी ठहराया। कोर्ट ने राजेंद्र भारती को तिहाड़ जेल भेज दिया है।

कमलनाथ का फिर जागा 'भाजपा' प्रेम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने पार्टी लाइन से हटकर बयान दिया है। छिंदवाड़ा पहुंचे कमलनाथ से जब मीडिया ने एलपीजी की किल्लत को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने कहा कि किसी तरह की कमी नहीं है। कमलनाथ ने कहा, 'यह अव्यवस्था है। ऐसी कोई कमी नहीं है, लेकिन माहौल बना दिया गया है कि कमी है।' उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कांग्रेस पार्टी संसद से लेकर सड़कों तक गैस की किल्लत को लेकर मोदी सरकार को घेर रही है। पार्टी की ओर से 'नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब' जैसे नारे भी लगाए जा रहे हैं। अब कमलनाथ के इस बयान से कांग्रेस के आंदोलन की हवा निकलती नजर आ रही है। भाजपा का कहना है कि कमलनाथ ने एलपीजी को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस के आरोपों की पोल खोल दी है। वहीं, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोशल मीडिया पर लिखा कि झूठ और भ्रम के सहारे जनता को गुमराह करने वाली कांग्रेस को अब शर्म आनी चाहिए। सिंधिया ने आगे लिखा कि कांग्रेस को जनता में डर और अविश्वास फैलाकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना बंद करना चाहिए।

झोलाछाप डॉक्टर का क्लिनिक सील

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पाटनीपुरा मेन रोड स्थित एक कथित क्लिनिक पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। यहां बिना मेडिकल डिग्री के मरीजों का इलाज करने और खासतौर पर बवासीर के मरीजों से पैसे वसूलने का आरोप था। पाटनीपुरा स्थित 'राव दवाखाना' के खिलाफ पहली शिकायत 2023 में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को की गई थी। इसके बाद सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई में भी मामला उठाया गया, लेकिन करीब तीन साल तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। करणी सेना के संगठन मंत्री मानसिंह राजावत ने बताया कि हमारे कार्यालय पर शिकायतकर्ताओ ने आकर पूरी जानकारी दी। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष सहेंद्र सिंह दीक्षित, प्रदेश महासचिव मनीष सिंह सिसौदिया सहित अन्य कार्यकर्ता यहां पहुंचे। कलेक्टर शिवम वर्मा को मौके से कॉल लगाया इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर दवाखाने को सील कर दिया।

सत्तन गुरु की बेटी कनुप्रिया का पीएम को खुला पत्र

घटना को 'सोची-समझी साजिश' बताया; निष्पक्ष जांच की मांग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • 29 मार्च को दशहरा मैदान पर आयोजित नगर निगम के भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय कवि सत्यनारायण सत्तन के साथ हुई कथित अपमानजनक घटना अब राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गई है। सत्तन गुरु की बेटी कनुप्रिया सत्तन, जो हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुई हैं, ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुला पत्र लिखकर पूरे घटनाक्रम को सुनियोजित साजिश करार दिया है। उन्होंने निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

कनुप्रिया सत्तन ने अपने पत्र में लिखा है कि यह घटना न केवल उनके पिता के साथ अपमानजनक है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध भी है। उन्होंने इसे मुख्यमंत्री के आधिकारिक कार्यक्रम में अनावश्यक विवाद पैदा करने की सोची-समझी चाल बताया है। कनुप्रिया ने पत्र में उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लिए तैयार की गई मंच अतिथि सूची में सत्यनारायण सत्तन का नाम पूर्व निर्धारित रूप से शामिल था। कार्यक्रम स्थल पर उनकी नामांकित सीट से नाम की स्लिप हटाए जाने की घटना जानबूझकर की गई कार्रवाई प्रतीत होती है। उनका कहना है कि यह एक सुनियोजित प्रयास लगता है, जिसका उद्देश्य मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में अनावश्यक विवाद और व्यवधान उत्पन्न करना था। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार यह पूरा घटनाक्रम एक मुख्यमंत्री-विरोधी मंत्री के इशारे पर किया गया बताया जा रहा है, जिससे राजनीतिक असहजता पैदा हो सके। उन्होंने यह भी लिखा कि सत्तन गुरु ने वर्षों तक भारतीय जनता पार्टी और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहकर संगठन, विचारधारा और राष्ट्रहित के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पत्र में कनुप्रिया ने इस घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर उचित कार्रवाई की मांग की है। 29 मार्च को नर्मदा चौथे चरण से जुड़े बड़े सरकारी कार्यक्रम में मंच पर 69 अतिथियों की सूची तैयार की गई थी। सूची में सत्तन जी का नाम 26वें नंबर पर था और उनकी कुर्सी भी लगाई गई थी। लेकिन मंच पर पहुंचते ही एक कार्यकर्ता ने उन्हें रोक लिया और कहा कि सूची में नाम नहीं है। नाम की स्लिप गायब थी।

भाजपा का डैमेज कंट्रोल, कांग्रेस का हमला

घटना के अगले दिन भाजपा इंदौर शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा सत्तन गुरु के घर पहुंचे। उन्होंने बंद कमरे में लंबी बातचीत की और कहा, 'सत्तन गुरु हमारे मार्गदर्शक हैं। अगर जरूरत पड़ी तो हम 25 बार माफी मांग लेंगे।' महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भी व्यक्तिगत रूप से फोन कर खेद जताया और गलती से पर्ची न लग पाने की बात कही। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस मौके को भुनाया। कांग्रेस के जिला सेवादल कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, ब्लॉक अध्यक्ष गिरीश जोशी और अन्य नेताओं ने सत्तन गुरु के घर पहुंचकर उन्हें तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया और भाजपा पर तीखा हमला बोला।

न्यूज ब्रीफ

श्रीमद्भागवत कथा 7 से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • वृंदावन निवासी प्रकांड विद्वान श्री श्री 108 श्री डॉ मनोज मोहन शास्त्री के मुखार बिंद से 7 से 14 अप्रैल तक आयोजित हो रहीं हैं। श्रीमद्भागवत प्रसंग-दि. 7 अप्रेल- श्रीमद्भागवत माहात्म्य शुभारम्भ, 8 अप्रेल - श्रीध्रुव चरित्र 9अप्रेल- प्रह्लाद चरित्र नृसिंहावतार,10 अप्रेल - श्रीकृष्ण जन्मोत्सव 11 अप्रेल - श्रीकृष्ण बाललीलाएँ एवं गिरिराज पूजन 12 अप्रेल - महारास एवं रुक्मिणी विवाह 13 अप्रेल - श्रीशुकदेव विदाई एवं व्यास पूजन होगा। श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन विश्व प्रसिद्ध श्री खजराना गणेश मंदिर इंदौर में हो रही हैं। वृंदावन निवासी प्रकांड विद्वान भगवताचार्य श्री श्री 108 श्री आचार्य डॉ मनोज मोहन शास्त्री प्रतिदिन दोपहर से शाम 6:00 बजे तक मन्दिर परिसर के दौलत राम छाबछरिया प्रवचन हाल में श्रवण करवाएंगे।

स्कार यात्रा का नेतृत्व गौ माता द्वारा किया जाएगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • परशुराम जयंती के अवसर पर सात दिवसीय प्रभात फेरी के साथ भगवान परशुराम जी का जन्म उत्सव मनाया जाएगा। श्री परशुराम सेना इंदौर प्रकाश शर्मा (पप्पी), दीपक शर्मा, अनिल तिवारी ने बताया कि परशुराम जयंती धूमधाम से बनाई जाएगी। 18 अप्रैल को संस्कार यात्रा बड़े गणपति से राजवाड़ा निकलेगी जिसका नेतृत्व गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर ब्राह्मण समाज अपनी यात्रा निकलेगा। गौतम तिवारी, पंकजराज तिवारी, रितेश शर्मा ने बताया कि परशुराम जयंती के अवसर पर सात दिनों से प्रभात फेरी इंदौर शहर के विभिन्न ब्राह्मण बहुत क्षेत्र में जाएगी साथ ही भगवान परशुराम जी सभी की आराध्य है और भगवान विष्णु के 24 अवतार में से एक अवतार है। इसलिए सभी के आराध्य है। उपरोक्त प्रभात फेरी 9 अप्रैल से 16 अप्रैल तक विभिन्न क्षेत्रों में निकाली जाएगी।

शास. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर में सहायक प्राध्यापक पदों के लिए प्रशिक्षण सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर में सहायक प्राध्यापकों और खाद्य सुरक्षा अधिकारी के रिक्त पदों की पूर्ति के संबंध में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न विषयों के इंटरव्यू हेतु प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिदिन 100 से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुये एवं योग्य एवं अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिये गये प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त किया गया। उक्त कार्यक्रम में सामान्य ज्ञान का प्रशिक्षण एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा संबंधित सभी विषयों के साक्षात्कार से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।

गर्मी के मौसम में पशुओं से कार्य लेने पर प्रतिबंध, आदेश जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • गर्मी के मौसम को देखते हुए पशुपालन एवं डेयरी विभाग इंदौर द्वारा महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। जिला पशु क्रूरता निवारण समिति ने पशु क्रूरता अधिनियम के तहत गर्मी के दौरान पशुओं के उपयोग पर दोपहर के समय प्रतिबंध लगाया है। जारी आदेश के अनुसार एक अप्रैल से 10 जुलाई तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच, जब तापमान अधिक रहता है, उस अवधि में भार वाहक पशुओं से किसी भी प्रकार का कार्य लेना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान बैलगाड़ी, तांगा, ऊंटगाड़ी, भैंसागाड़ी, खच्चर, टट्टू एवं गधों पर वजन ढोने या सवारी कराने से पशुओं के बीमार होने या मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए पशु मालिकों से अपील की गई है कि वे इस अवधि में पशुओं को कार्य में न लगाएं। निर्देशों का उल्लंघन करने पर संबंधित पशु मालिकों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान भी रखा गया है।

रणजीत हनुमान के दरबार में महाभोज : 80 हजार भक्तों के लिए तैयार होगी प्रसादी, व्यवस्था ऐसी की घर पर ले जा सकेंगे प्रसाद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर के प्राचिन रणजीत हनुमान मंदिर में 7 अप्रैल को भंडारा होगा। भंडारे को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। 80 हजार भक्तों के लिए प्रसादी तैयार की जाएगी। खासबात यह रहेगी कि ये चलित भंडारा होगा, यानी भक्त आकर पैकेट में प्रसादी लेकर अपने घर जा भी सकते या बाहर खड़े होकर खा भी सकते हैं। 6 अप्रैल को सुबह भट्टी पूजन के बाद प्रसादी बनने का काम मंदिर परिसर में ही शुरू हो जाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव के बाद पहले मंगलवार को ये भंडारा किया जाता है। सालों से ये परंपरा चली आ रही है। इस बार 80 हजार भक्तों के लिए प्रसादी तैयार की जाएगी। पहले भंडारे का स्वरूप अलग हुआ करता था, मगर व्यवस्थाओं को देखते हुए इसके स्वरूप में बदलाव कर दिया गया है और इसे चलित कर दिया है। बता दें कि मंदिर में दो बार भंडारे का आयोजन किया जाता है। एक हनुमान जन्मोत्सव के बाद और दूसरा आंवला नवमी पर।

पहले बैठाकर भक्तों को दी जाती थी प्रसादी-कुछ साल पहले तक मंदिर परिसर के ग्राउंड में ही भक्तों को बैठाकर प्रसादी दी जाती थी। भक्तों के लिए बढ़िया बैठक व्यवस्था की जाती थी, जहां पर महिला व पुरुष अलग-अलग बैठकर प्रसादी ग्रहण करते थे, जिसके कारण मंदिर के बाहर बहुत ज्यादा भीड़ लग जाती थी। कई बार धक्का-मुक्की की नौबत आ जाती थी। भक्तों को प्रसादी लेने के लिए काफी इंतजार करना पड़ता था, जिसे देखते हुए इस व्यवस्था में बदलाव कर दिया गया और चलित भंडारा शुरू हो गया।

पैकेट में लेकर जा सकते है प्रसादी-चलित भंडारे में भी महिला-पुरुषों की अलग-अलग लाइन लगती है। इसमें भक्त जैसे ही ग्राउंड परिसर में आते हैं उन्हें हाथ में थाली का पैकेट दे दिया जाता है, धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए उन्हें पुड़ी, सब्जी, भजिए, नुक्ति की प्रसादी थाली में दे दी जाती है, जिसके बाद वे पैकेट को बंद कर अपने साथ ले जा सकते हैं या परिसर के बाहर खड़े होकर खा भी सकते हैं। इस व्यवस्था से मंदिर के बाहर भीड़ नहीं लगती और प्रसादी लेने में भी भक्तों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ता है।

80 क्विंटल आटे से बनेगी पुड़ी-मंदिर के पुजारी पं.व्यास ने बताया कि मंदिर की परंपरानुसार हनुमान जन्मोत्सव के बाद जो मंगलवार आता है इसी दिन भंडारे का आयोजन किया जाता है। लगभग 80 हजार भक्तों के लिए भोजन प्रसादी तैयार की जाएगी। चलित व्यवस्था रहेगी। महिला-पुरुषों की अलग-अलग लाइन रहेगी। प्रसादी में पुड़ी, रामभाजी, नुक्ति व भजिए का प्रसाद दिया जाएगा। इसे तैयार करने में 80 क्विंटल आटा, 15 क्विंटल बेसन, 90 डिब्बे शुद्ध घी और 200 डिब्बे मूंगफली के तेल का इस्तेमाल कर प्रसादी तैयार की जाएगी।

6 अप्रैल को भट्टी पूजन के साथ शुरू होगा प्रसाद बनना

पंडित दीपेश व्यास ने बताया कि 6 अप्रैल की सुबह भट्टी पूजन के साथ भंडारे की प्रसादी बनना शुरू हो जाएगी। अलग-अलग जगह से सब्जियां मंदिर परिसर में आएगी। जिसके बाद महिला मंडल की सदस्यों द्वारा सब्जियों को सुधारा जाएगा। सब्जियों की कटिंग की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ नुक्ति का प्रसाद बनना शुरू हो जाएगा। रामभाजी बनाई जाएगी। ये काम लगातार जारी रहेगा और भंडारे की सभी चीजें बनाई जाएगी। 7 अप्रैल को भगवान को भोग लगाने व आरती के बाद शाम 6.30 बजे से भंडारे की शुरुआत हो जाएगी।

फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर पाया काबू

बिजासन टेकरी सहित तीन स्थानों पर भीषण आग, वाहनों को फूंका

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर में देर रात तीन अलग-अलग स्थानों पर आगजनी की घटनाओं से हड़कंप मच गया। बिजासन टेकरी पर घास में भीषण आग लग गई, वहीं तेजाजी नगर में एक बाइक जलकर खाक हो गई। उधर बाणगंगा क्षेत्र में बदमाशों ने कार और दो बाइक में आग लगा दी। सभी घटनाओं में फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

बुधवार रात करीब 10 बजे बिजासन टेकरी स्थित सेंट्रल स्कूल के पास मैदान में घास में अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैलते हुए पेड़-पौधों तक पहुंच गई। सूचना मिलते ही दमकल टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने में लगभग 10 हजार लीटर पानी का उपयोग किया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। तेजाजी नगर में खड़ी बाइक रात करीब 1:30 बजे तेजाजी नगर क्षेत्र में जलकर खाक लिम्बोदी गेट के सामने खड़ी एक बाइक में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी बाइक जलकर नष्ट हो गई। आसपास के लोगों ने पानी डालकर आग बुझाई। हालांकि तब तक वाहन

पूरी तरह जल चुका था। इस घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को नहीं मिल सकी। बाणगंगा थाना क्षेत्र के वृंदावन कॉलोनी किला मैदान इलाके में अज्ञात बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी दो बाइक और एक कार में आग लगा दी। फरियादी रवींद्र पाल की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार... बदमाशों ने बाइक से पेट्रोल निकालकर वाहनों में आग लगाई। घटना में भागवत राव और प्रेमसिह कीर की बाइक जलकर खाक हो गई, वहीं कार को भी नुकसान पहुंचा। घटना की जानकारी सुबह लगी, जिसके बाद फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

निजी ट्यूबवेल और हाइड्रेट पर क्लोरिनेशन के लिए लोगों को करें प्रेरित

आयुक्त की कार्रवाई, तीन इंजीनियरों को नोटिस, वेतन काटा, होगी जांच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सीटी बस सभाकक्ष में जलप्रदाय, सीवरेज, सीएम हेल्पलाइन, इंदौर 311 एप, स्वच्छ सर्वेक्षण और ग्रीष्मकालीन व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक समीक्षा बैठक की। बैठक में निगम के वरिष्ठ अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के जिम्मेदार अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त ने साफ किया कि गर्मी के मौसम में नागरिकों को स्वच्छ और पर्याप्त जल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने शासकीय ट्यूबवेल के साथ-साथ निजी ट्यूबवेल और हाइड्रेट पर भी क्लोरिनेशन सुनिश्चित कराने के लिए नागरिकों को प्रेरित करने के निर्देश दिए।

टैंकरों पर जीपीएस सिस्टम लगाएं-क्लॉरिनेशन सैंपलिंग में लापरवाही पाए जाने पर पीएचई विभाग के तीन सहायक यंत्री-राहुल रघुवंशी, दौलत सिंह गुड़िया और शिव दत्त व्यास को शोकॉज नोटिस

जारी करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने पानी की टंकी से लेकर अंतिम छोर तक क्लोरिनेशन का रिकॉर्ड निर्धारित प्रारूप में रखने के निर्देश भी दिए। इसी प्रकार रेस्टोरेशन कार्यों की खराब स्थिति पर सख्ती दिखाते हुए जोन 12, वार्ड 59 में सीवरेज कार्य के बाद संतोषजनक रेस्टोरेशन नहीं होने पर संबंधित उपयंत्री का तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। जल संकट से निपटने के लिए टैंकर व्यवस्था को भी सख्त बनाया गया। आयुक्त ने सभी टैंकरों में जीपीएस सिस्टम लगाने और जीपीएस लॉक बुक के आधार पर ही भुगतान करने के निर्देश दिए।

जनहित कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी-जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने इसे लक्ष्य बनाकर पूरा करने और नागरिकों को रूफ व रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान कर रिचार्ज संरचनाएं विकसित करने पर भी जोर दिया गया। इसके साथ ही जलसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर वार्ड 9 उपयंत्री के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए। आयुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी शिकायतों का समयसीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए।

हनीट्रैप का खुलासा, पूर्व सैन्य अधिकारी से दो लाख रु. की मांग

दो युवतियां और एक युवक गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • थाना बड़गोंदा क्षेत्र के एक फार्म हाउस से हनीट्रैप का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें इंदौर की दो युवतियों और एक युवक ने मिलकर पूर्व सैन्य अधिकारी को षड्यंत्रपूर्वक फंसाकर उससे दो लाख रुपए की मांग की। बुधवार देर रात मामला बड़गोंदा थाने पहुंचा, जहां पुलिस ने सैन्य अधिकारी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने गुरुवार को तीनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी प्रकाश वास्कले के मुताबिक सेना के एक रिटायर्ड अधिकारी, निवासी एमसीटी क्वार्टर महू, जो वर्तमान एक सोची-समझी साजिश के तहत ब्लैकमेल रिटायर्ड सैन्य अधिकारी के अनुसार यह पूरा घटनाक्रम एक सोची-समझी साजिश के तहत किया गया, जिसके जरिए उसे ब्लैकमेल किया गया। इसके बाद सैन्य अधिकारी ने सीधे थाने पर सूचना दी। पिछले तीन-चार दिनों से इंदौर निवासी एक युवती लगातार मोबाइल पर संपर्क कर रही थी और मिलने का दबाव बना रही थी। युवती ने अफसर को बातों में फंसा लिया, मिलने का स्थान कैलोद रोड स्थित रेम्बो रिसोर्ट में तय हो गया। गुरुवार शाम के लिए अधिकारी ने कमरा बुक कराया। फिर युवती और अधिकारी की मुलाकात महू के हरिफाटक पर हुई।

यहां से दोनों रिसोर्ट साथ पहुंचे। रिसोर्ट में कुछ देर रुकने के दौरान महिला लगातार फोन और वॉट्सएप पर किसी से संपर्क में थी। इसके बाद जैसे ही वह अधिकारी के करीब आई, तभी अचानक बाहर से दरवाजा बंद कर दिया गया। थोड़ी देर बाद दरवाजा खुला तो बाहर एक महिला और एक युवक खड़े थे, जिन्होंने दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए सैन्य अधिकारी को पुलिस में शिकायत करने की धमकी दी। उक्त लोगों ने अधिकारी से कहा कि यदि वह दो लाख रुपए नहीं देगा तो उसके खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कराएंगे।

वैज्ञानिक, खगोलविद और शोधार्थी करेंगे संवाद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 3 अप्रैल को उज्जैन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकाल: द मास्टर ऑफ टाइम' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का तारामंडल परिसर में शुभारंभ करेंगे। साथ ही उज्जैन साइंस सेंटर का लोकार्पण भी करेंगे। सम्मेलन 3 से 5 अप्रैल तक उज्जैन के समीप डोंगला डिजिटल प्लेनेटेरियम परिसर में आयोजित किया गया है। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन और विचारक लेखक श्री सुरेश सोनी भी शामिल होंगे। बाबा महाकाल और सम्राट विक्रमादित्य की पावन नगरी उज्जैन प्राचीन काल से ही काल गणना और खगोल विज्ञान के अनुसंधान की वैश्विक धुरी रही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक व शोधकर्ता यहां बौद्धिक समागम के लिये एकत्रित हो रहे हैं।

आलोक दुबे भाजपा के प्रदेश सहमीडिया प्रभारी नियुक्त

भाजपा नेताओं ने नियुक्ति पर दी बधाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश संगठन ने प्रदेश की मीडिया विंग की घोषणा की है। आलोक दुबे को प्रदेश मीडिया टीम में सह मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। आगामी वर्षों में होने वाले नगर निगम चुनाव, विधानसभा चुनाव, और लोकसभा चुनाव की दृष्टि से भाजपा की विचारधारा को समझने वाले मीडिया क्षेत्र के अनुभवी कार्यकर्ता आलोक दुबे को प्रदेश प्रवक्ता के स्थान पर भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी के रूप में मीडिया की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। पूर्व में 14 वर्षों तक इंदौर संभाग के संभागीय मीडिया प्रभारी के पद पर सफलतापूर्वक कार्य कर चुके है। दुबे की नियुक्ति पर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा आदि ने बधाई दी है। भाजपा प्रदेश सहमीडिया प्रभारी आलोक दुबे ने कहा कि संपर्क व संवाद के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों का सकारात्मक प्रचार हमारी प्राथमिकता रहेगी।

संभागायुक्त की अध्यक्षता में इंदौर सोसायटी फॉर आर्गन डोनेशन की बैठक सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में आज एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर में इंदौर सोसायटी फॉर आर्गन डोनेशन की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने इंदौर सोसायटी फॉर आर्गन डोनेशन द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यों की प्रगति रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि अंगदान के क्षेत्र में इंदौर सोसायटी फॉर आर्गन डोनेशन अच्छा कार्य कर रहा है। कोविड महामारी के उपरांत अंगदान के क्षेत्र में इन्दौर संभाग में उल्लेखनीय प्रगति की गई है, जिसके चलते अनेक नागरिकों को नया जीवन एवं स्वास्थ्य लाभ मिला है। वर्तमान में इन्दौर संभाग में 13 चिकित्सा संस्थान को अंग प्रत्यारोपण की प्रशासनिक अनुमति जारी की गई है, जिसमें से 11 चिकित्सा संस्थान सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। जिसमें राजश्री अपोलो हॉस्पिटल, चोईथराम हॉस्पिटल एवं विशेष जुपिटर हॉस्पिटल प्रथम तीन चिकित्सा संस्थान है। अंगदान के क्षेत्र में सक्रिय इंदौर सोसायटी फॉर आर्गन डोनेशन की बैठकें लगातार आयोजित की जा रही है और उसकी समीक्षा भी की जा रही है, ताकि इंदौर संभाग अंगदान के क्षेत्र में प्रदेश और देश में अव्वल बन सके। संभागायुक्त ने कहा कि अंगदान कराने वाले डॉक्टरों के अतिरिक्त अन्य कोई भी व्यक्ति जो अंगदान के लिये प्रेरित कर अंगदान कराने में सफलता प्राप्त करेगा, उन्हें सहायता संस्था द्वारा 25 हजार रूपये का इंसेंटिव प्रदान किया जायेगा।

होटल मैनेजमेंट में करियर बनाने का सुनहरा अवसर

मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के संस्थान में सीधे एडमिशन की सुविधा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अंतर्गत संचालित एवं नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एण्ड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (एनसीएचएमसीटी) नोएडा से मान्यता प्राप्त स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (एसआईएचएम) इंदौर होटल उद्योग में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभर रहा है। राऊ स्थित यह संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम प्रदान करता है। साथ ही इंदौर सबसे स्वच्छ शहर होने के साथ यहाँ सौम्य जलवायु, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी, आईआईटी-आईआईएम जैसे शीर्ष स्तरीय शैक्षणिक केंद्र होने के कारण विद्यार्थियों की पहली पसंद बना हुआ है। उज्जैन-ओंकारेश्वर की निकटता और व्यावसायिक गतिशीलता भी इंदौर शहर की प्रमुख विशेषता है। यह जानकारी देते हुए स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इंदौर के प्राचार्य डॉ. वी.के. सिंह ने बताया कि एसआईएचएम (राऊ) इन्दौर में पाठ्यक्रम राऊ में स्थित एस.आई.एच.एम. इन्दौर में जवाहरलाल नेहरु वि.वि. द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमुख कोर्स, बी.एस.सी. हॉस्पिटैलिटी और होटल एडमिनिस्ट्रेशन (3 वर्ष) हेतु नामांकन करा सकते हैं। इसके अलावा, हम 18 महीने का डिप्लोमा कार्यक्रम विभिन्न ट्रेड्स में और 10वीं पासआउट के लिए 6 महीने का × सर्विस एवं 1/2 वर्षीय क्राफ्ट्समेंशिप सर्टिफिकेट कोर्स इन फूड प्रोडक्शन पाठ्यक्रम भी प्रदान करते हैं। उक्त संस्थान के नये सत्र में प्रवेश हेतु प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। तीन वर्षीय डिग्री प्रोग्राम बीएससी (हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन) में प्रवेश हेतु नेशनल काउंसिल नोयडा और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के सहसंबद्ध द्वारा जाइंट इंट्रेश इग्जाम जेईई इस वर्ष 25 मई 2026 को ऑनलाइन आयोजित की जा रही है। जो छात्र परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित विद्यार्थियों के लिए संस्थान स्तर पर डायरेक्ट एडमिशन की सुविधा भी उपलब्ध है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 03 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

जगदगुरू रामानंदाचार्य स्वामी रामनरेशाचार्य के सानिध्य में राघवदास महाराज ने की महाआरती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मनोरमागंज स्थित गीता भवन में हनुमान प्राकट्य महोत्सव में गुरुवार को सुबह जगदगुरू रामानंदाचार्य, श्रीमठ काशी पीठाधीश्वर स्वामी रामनरेशाचार्य महाराज के सानिध्य में जन्मोत्सव आरती का दिव्य आयोजन सौल्लास संपन्न हुआ। इस अवसर पर जगदगुरू स्वामी रामनरेशाचार्यजी के उत्तराधिकारी राघवदास महाराज ने हनुमानजी का पुष्प एवं सिंदूर से मनोहारी श्रृंगार किया। प्रारंभ में गीता भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राम ऐरन, रामविलास राठी, प्रेमचंद गोयल, मनोहर बाहेती, महेशचंद्र शास्त्री, दिनेश मित्तल, संजय मंगल, तुलसी मनवानी आदि ने पूजा एवं अभिषेक में भाग लिया। अलसुबह हनुमान मंदिर में रामनरेशाचार्यजी एवं स्वामी राघवदास महाराज के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हनुमानजी के अभिषेक एवं महाआरती में भाग लिया। स्वामी राघवदास महाराज ने भक्तों को प्रसाद एवं दक्षिणा भेंट की। भक्तों ने भजनों पर नाचते-गाते हुए अपनी खुशियां व्यक्त की। महाभिषेक एवं महाआरती में दूर-दूर से आए भक्तों ने भी उत्साह के साथ भाग लिया। इसके पूर्व अलसुबह ब्रह्ममुहूर्त में हनुमानजी की साक्षी में सुंदरकांड का पाठ भी किया गया।

हनुमान जयंती में जुटा भक्तों का मेला, लगाया चने-टिक्कड़ का भोग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में हनुमान जन्मोत्सव पर सुबह से भक्तों का मेला लगा रहा। श्री श्रीविद्याधाम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेन्द्र महाजन ने बताया कि आचार्य पं. राजेश शर्मा एवं आचार्य पं. राहुल कृष्ण शास्त्री सहित 11 विद्वानों के निर्देशन में सुबह षोडशोपचार पूजन, अभिषेक, चोला, श्रृंगार एवं नैवेद्य समर्पण की रस्में संपन्न कर 21 किलो नमकीन चने और टिक्कड़-गुड़ का भोग समर्पित किया गया। जन्मोत्सव आरती में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। दोपहर में मां अंजनि मातृशक्ति द्वारा सुंदरकांड का पाठ किया गया। बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साह के साथ सुंदरकांड पाठ में भाग लिया। संध्या को हनुमानजी का विशेष श्रृंगार दर्शन एवं सायं महाआरती के बाद सामूहिक सुंदरकांड पाठ हुआ। मंदिर पर दिनभर भक्तों का मेला जुटा रहा।

वैश्य महासम्मेलन द्वारा आयोजित बैठक में 100 से अधिक संगठनों ने लिया संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देश के विभिन्न अग्रवाल-वैश्य संगठनों को एक जाजम पर जमा कर उनके बीच रोटी-बेटी के रिश्तों को मजबूती दिलाने वाले वैश्य समाज के प्रेरणा स्त्रोत ब्रह्मलीन समाजसेवी रमेशचंद्र अग्रवाल की नौवीं पुण्यतिथि पर रविवार 12 अप्रैल को दिनेश-राज मित्तल फाउंडेशन द्वारा एबी रोड स्थित माहेश्वरी मांगलिक भवन (चिड़ियाघर के सामने) पर आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का वृहद आयोजन रखा गया है। इसकी तैयारियों को लेकर शहर के 26 वैश्य समाजों के 100 से अधिक संगठनों के 300 प्रतिनिधियों ने पीड़ित मानवता की सेवा के संकल्प को दोहराते हुए निश्चय किया है कि स्व. रमेशजी की भावना के अनुरूप शहर एवं जिले के सभी वैश्य परिवारों सहित आम लोगों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रदेश के कांग्रेस विधायक को मिली बड़ी जिम्मेदारी

भोपाल (एजेंसी) ● कांग्रेस पार्टी में भोपाल मध्य विधायक आरिफ मसूद को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने माइनॉरिटी विभाग के लिए एडवाइजरी काउंसिल बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस एडवाइजरी काउंसिल में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को शामिल किया गया है। यह जिम्मेदारी आरिफ मसूद के राजनीतिक करियर में एक बड़ा

कदम मानी जा रही है। माइनॉरिटी विभाग की एडवाइजरी काउंसिल में शामिल होकर वे अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मुद्दों पर पार्टी को सलाह और दिशा-निर्देश देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विधायक आरिफ मसूद ने इस जिम्मेदारी को सौंपे जाने पर कांग्रेस हाईकमान का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि वे अल्पसंख्यक समुदाय के हितों को मजबूती से उठाएंगे और पार्टी की नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने में योगदान देंगे।

सिंहस्थ के मद्देनजर नए बिजली ग्रिड व उच्च दाब लाइनों के कार्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र शासन ऊर्जा विभाग के निर्देशों के अनुरूप पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर नए बिजली ग्रिडों एवं उच्चदाब लाइनों के कार्य के साथ अन्य जरूरी कार्य प्राथमिकता से साथ करा रही है। इससे सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, साथ ही उज्जैन, ओंकारेश्वर नगरीय क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को भी फायदा मिलेगा। उज्जैन में तलाई क्षेत्र में नया 33/11 केवी ग्रिड बनकर बिजली वितरण प्रारंभ किया जा चुका है। वहीं चारधाम, वाल्मीकि धाम में ग्रिड का कार्य तेजी से चल रहा है, नानाखेड़ा में ग्रिड का निर्माण जल्दी प्रारंभ किया जाएगा। उज्जैन शहर में 33 केवी 20 किमी उच्चदाब लाइनों कार्य भी प्रगति पर है। वहीं 150 किमी निम्नदाब केबल स्थापना कार्य किया जा रहा है, शहर में 150 नए ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं। उज्जैन नगरीय

क्षेत्र में कुछ स्थानों पर अंडरग्राउंड केबल कार्य भी किया गया हैं। इधर सिंहस्थ के मद्देजर ओंकारेश्वर में मोरटक्का से 10.50 किमी 33 केवी उच्चदाब लाइन मोरधड़, थापना, कोठी, मुगेशनगर तक स्थापित की गई है। वहीं एसएसटीडी अंतर्गत ओकारेश्वर में सिंहस्थ दृष्टिगत नया 33/11 केवी सब स्टेशन का कार्य किया जा रहा है। सभी कार्यों की कुल लागत करोड़ों रूपए की हैं।

शहर के रामबाबू अग्रवाल ने झारखंड में किया लोहिया कौशल केंद्र का शिलान्यास

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वरिष्ठ समाजवादी नेता रामबाबू अग्रवाल सहित समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारियों ने झारखंड के जमशेदपुर जिले के माटीहाना ग्राम पंचायत के तहत ग्राम मोजा में समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर डॉ. लोहिया कौशल केंद्र का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर झारखंड के श्रम नियोजन मंत्री संजय प्रसाद यादव, लोहिया विचार मंच हैदराबाद के अध्यक्ष टी. गोपाल सिंह, लोहिया रिसर्च फाउंडेशन दिल्ली के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह, झारखंड के पूर्व मंत्री दिनेश कुमार षडंगी, विधायक समीर महंती, लोक बंधु राजनारायण ट्रस्ट लखनऊ के संस्थापक अध्यक्ष शाहनवाज कादरी, समाजवादी विचारक गोविन्द अग्रवाल, डॉ, बिनी षडंगी, पूर्व विधायक कुणाल षडंगी सहित अनेक विधायक एवं समाजवादी आन्दोलन से जुड़े जन प्रतिनिधि मौजूद थे। डॉ. लोहिया की 116 वीं जयंती के अवसर पर इस केंद्र के निर्माण से क्षेत्र के युवाओं को स्वावलम्बी बनने में मदद मिलेगी।

भगवान श्री राम जी के आदर्शों पर शासन एक परिकल्पना की विचार गोष्ठी होगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 'समता, सद्भाव और सुगम न्याय का संकल्प' सम्यक अभियान का चलो राम राज्य की और का आयोजन 3 अप्रैल को रीगल चौराहे स्थित आईसीएच परिसर पर आयोजित होगा। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले समाज सेवियों का सम्मान होगा। आयोजन प्रमुख अभियान के दिलीप ठक्कर,कनुप्रिया सत्तन ने बताया कि आयोजन गुरुदेव भास्कर राव रोकड़े के मुख्य आतिथ्य व संरक्षक, सम्यक अभियान डॉ श्रीमती अर्चना जायसवाल की अध्यक्षता एवं सत्यनारायण पटेल राष्ट्रीय सचिव की उपस्थिति में इंदिरा ज्योति यात्रा आओ चले राम राज्य की ओर पर विचार गोष्ठी होगी। राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने वाली विभूतियों का सम्मान समारोह होगा आयोजन में पीसी शर्मा, पूर्व मंत्री, प्रदेश प्रभारी सम्यक अभियान और सजय कामले प्रदेश संगठन प्रभारी, मप्र कांग्रेस,शैलेंद्र श्रीवास्तव प्रदेश मुख्य समन्वयक, सम्यक अभियान सम्मिलित होंगे।

आयोजन में महामंडलेश्वर संत श्री दादू महाराज, पवन दास महाराज, शहर काजी डॉ इशरत अली खान फादर जॉन पॉल,प्रख्यात कथावाचक मयंक व्यास एवं कथा वाचिका रुक्मिणी देवी सहित अन्य मौजूद रहेंगे। पंडित कृपाशंकर शुक्ला इंदौरी चाचा नेहरू, केके मिश्रा पूर्व मीडिया प्रभारी, मप्र कांग्रेस कमेटी,शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे सहित अन्य रहेंगे।

हनुमान जन्मोत्सव पर आरती व हनुमान चालीसा का पाठ किया

इंदौर ● प्रभु श्री राम के परम भक्त, संकटमोचन श्री हनुमान जी के पावन जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर श्री सकल पंच राठौर समाज युवा संगठन, इंदौर द्वारा श्रद्धा एवं भक्ति के साथ आरती एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। जानकारी देते हुए युवा संगठन अध्यक्ष लक्की राठौर(हर्ष) ने बताया कि इस अवसर मुख्यरूप से वरिष्ठ समाजसेवी सीताराम राठौर।

श्री राम मंदिर पंचकुईया : भगवान खेड़ापति हनुमान ड्रायफ्रूट से सजे,108 दीपो से हुई जन्मआरती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पंचकुईया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम मे गुरुवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सुबह भगवान खेड़ापति हनुमान जी का अभिषेक, श्रगांर,108 दीपो से जन्मआरती, भोग, प्रसादी हुई । हनुमानजी के जयकारो के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। मंदिर मे साज सजावट की गई । विद्युत रोशनी मे अलग अलग रंगो मे भगवान हनुमानजी के दर्शन हुए। पूरे मंदिर को फूलो व हरे वृक्ष के पत्तो से सजाया गया । पंचकुइया पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर श्री रामगोपालदास महाराज ने बताया कि हनुमान जयंती पर सुबह 5 बजे हनुमानजी का आचार्यो व पंडितो द्धारा वैदिक मन्त्रोच्चार के बीच जाप के साथ अभिषेक कर पूजन अर्चन किया गया । पूजन पश्चयात हनुमानजी का विशेष श्रृगांर ड्रायफ्रूट से हुआ, फूल बंगले में सजे । फलो व मिष्ठानो के भोग के साथ बेसन के लडडुओ का भोग लगाया गया। सुबह 11 बजे पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री रामगोपालदास महाराज ने श्री खेड़ापति हनुमान की जन्मोत्सव आरती 108 दीपो से की,आरती में साधु संतो के साथ सैकड़ों भक्त भी उमड़े,सैकड़ों भक्तो ने महाप्रसादी ग्रहण की ।

निस्वार्थ सेवा ही राष्ट्र निर्माण की आत्मा: भारत विकास परिषद का प्रेरक आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जब सेवा स्वार्थ से मुक्त होकर साधना का रूप ले लेती है, तब वही राष्ट्र निर्माण की सबसे सशक्त धुरी बनती है। इसी भावभूमि पर भारत विकास परिषद की 'अहिल्या नगरी' शाखा का दायित्व ग्रहण समारोह एक सांस्कृतिक-सामाजिक उत्सव के रूप में संपन्न हुआ, जहां विचार और कर्म, दोनों ने राष्ट्रधर्म की नई व्याख्या रची। प्रांतीय संरक्षक रजनीश चौरड़िया ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र निर्माण कोई क्षणिक प्रयोजन नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली तपस्या है, जिसमें निस्वार्थ भाव ही सबसे बड़ा साधन है। उन्होंने आह्वान किया कि व्यक्ति जब निजी आकांक्षाओं के क्षुद्र दायरे से ऊपर उठकर समाज और देश के लिए समर्पित होता है, तभी विकास की वास्तविक धारा प्रवाहित होती है। 1963 में स्थापित भारत विकास परिषद आज सेवा, संस्कार और समर्पण का पर्याय बन चुकी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और मानव सेवा के विविध आयामों में संगठन का कार्य राष्ट्र की जीवनधारा को सशक्त करने का सतत प्रयास है। समारोह का आरंभ 'गणगौर बाने' की सुरभित प्रस्तुति से हुआ, जिसमें लोक संस्कृति की मधुर छवियां झिलमिला उठीं-मानो परंपरा और आधुनिकता का संवाद स्वयं मंच पर उतर आया हो। इस अवसर पर संजय मेहता ने अध्यक्ष पद की बागडोर संभाली। उनके साथ गौरव दरक, प्रदीप धनोतिया, राजेश भंडारी, राजकुमार जैन, नीरज मित्तल, रश्मि शर्मा, स्वाति सूर्यवंशी, नैमिष शर्मा और रुपाली गुप्ता ने नई ऊर्जा के साथ दायित्व ग्रहण किया।

मेंदोला बने सभापति...

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विधानसभा अध्यक्ष ने अगले दो सालों के लिए विधानसभा की नियम समिति, शिष्टाचार और अनुरक्षण समिति सहित अन्य समितियों का गठन किया है... इसके तहत नियम समिति में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सभापति होंगे, जबकि महिला और बाल कल्याण समिति में सभी महिला विधायक सभापति और समिति सदस्य बनाए गए... सदस्यों के शिष्टाचार समिति का जिम्मा विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह को सौंपा गया... इसी तरह प्रत्यायुक्त विधान समिति का सभापति इंदौर के दो नम्बरी विधायक रमेश मेंदोला को नियुक्त किया गया... वहीं विधायक अनिल जैन (निवाड़ी), अरविन्द पटेरिया, सचिन बिरला, संतोष बरकड़े, मधु गेहलोत, शिवनारायण सिंह, नारायण पटेल, चौधरी सुजीत मेर सिंह, केशव देसाई एवं वीरसिंह भूरिया को सदस्य नियुक्त किया..!

हनुमान जयंती पर अनेक किस्मों के फूलों से सजे फूल बंगले में विराजे पितृरेश्वर हनुमान जी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पितृ पर्वत स्थित पितृरेश्वर हनुमान धाम में हनुमान जयंती के अवसर पर हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मना। पितृरेश्वर हनुमान जी अनेक किस्मों के फूलों से सजे फूल बंगले में विराजे, महाआरती हुई। हजारों भक्त सम्मिलित हुए। धाम प्रमुख आकाश विजयवर्गीय,महेश दलोद्रा ने बताया कि पितृरेश्वर हनुमान धाम में गुरुवार को सुबह भगवान का वेद मंत्रों के बीच आचार्य पंडितों की उपस्थिति में षोडशोपचार पूजन करके मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महेश दलोद्रा ने अभिषेक किया उसके भगवान पितृरेश्वर हनुमान जी का विशेष श्रृंगार हुआ दरबार मोगरा गुलाब सहित अनेक किस्म के फूलों से सजा, दिनभर दर्शन हुए सुबह 11:30 बजे महाआरती हुई। शाम 5 बजे महाप्रसादी वितरण हुआ। फिर शाम को 7 बजे महाआरती हुई, साधु संत भी सम्मिलित हुए। इस आयोजन में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला सहित अन्य सम्मिलित हुए। आकर्षक आतिशबाजी की गई। विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा जिसमें तकरीबन 50 हजार से ज्यादा भक्त प्रसादी ग्रहण की।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

सड़कें वही, लेकिन सफर हो रहा महंगा, टोल बढ़ोतरी ने यात्रियों की बढ़ाई मुश्किलें

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एकल और दोहरी यात्रा में पांच रुपए से लेकर पैंतीस रुपए तक की बढ़ोतरी पर सवाल उठना स्वाभाविक है। देशभर में महंगाई में बढ़ोतरी के बीच अब लोगों के लिए कहीं आना-जाना भी महंगा साबित होने लगा है। दरअसल, वैश्विक परिस्थितियों की वजह से पहले ही संकट का दायरा फैल रहा है और चीजों की कीमतों में इजाफा हो रहा है। इस बीच हरियाणा में राजमार्गों पर टोल दरों में बेतहाशा वृद्धि की घोषणा आम लोगों के सामने एक नई परेशानी पैदा करने वाली है। इसके अमल में आने के साथ ही निजी वाहनों से यात्रा करने वालों को अब अधिक टोल चुकाना होगा। यह हाल तब है, जबकि अधिकतर राजमार्गों पर बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है, आए दिन लोगों को लंबे जाम का सामना करना पड़ता है। ऐसे में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एकल और दोहरी यात्रा में पांच रुपए से लेकर पैंतीस रुपए तक की बढ़ोतरी पर सवाल उठना स्वाभाविक है। मसलन, गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेस-वे पर बजघेड़ा टोल प्लाजा पर एकल यात्रा के लिए 225 रुपए देना यात्रियों के लिए भारी साबित हो सकता है। दूसरी ओर वाणिज्यिक वाहनों से वसूली का असर भी दिखेगा और आखिरकार आम आदमी पर ही इसकी मार पड़ेगी। सवाल है कि बुनियादी सुविधाओं में सुधार किए बिना टोल दरों में वृद्धि की क्या तुक है। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही राजमार्गों पर यात्रा महंगी किए जाने से लोगों में निराशा बढ़ेगी। इस समय ज्यादातर राजमार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ रहा है। वहीं रास्ते में साफ-सुथरे जन-सुविधा परिसरों का अभाव खटकता है। रात में कई मार्गों पर अंधेरा होने से हादसे का अंदेशा बना रहता है। राजमार्ग प्राधिकरण के गश्ती दल तुरंत मौके पर नहीं पहुंचते। इससे लोग असहाय स्थिति में होते हैं। कई बार हादसे के बाद फिर हादसा होना यह बताता है कि प्राधिकरण को टोल की तो चिंता है, लेकिन यात्रियों की जान की नहीं। अक्सर देखा गया है कि टोल नाकों पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। इससे न केवल समय की, बल्कि ईंधन की भी बर्बादी होती है। हालांकि हरियाणा में टोल पर अब केवल फास्टैग या आनलाइन भुगतान ही किया जा सकेगा।

वामपंथी उग्रवाद को हराने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बधाई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में घोषणा की कि भारत लगभग माओवादी मुक्त हो चुका है, और उग्रवाद की केंद्रीय और राज्य स्तरीय नेतृत्व संरचनाएं काफी हद तक ध्वस्त हो चुकी हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि पिछले तीन वर्षों में 4,839 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि शीर्ष समिति के सदस्य या तो मारे गए हैं या उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया है। घोषणा होते ही लोकसभा सदस्यों द्वारा अमित शाह द्वारा की गई इस घोषणा का स्वागत करते हुए केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और राहुल गांधी तथा कांग्रेस की नक्सलवादियों को वैचारिक समर्थन देने के आरोप में आलोचना भी की। शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि देश को जल्द ही वामपंथी उग्रवाद की दीर्घकालिक चुनौती से आधिकारिक तौर पर मुक्त घोषित कर दिया जाएगा।

इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दी गई समय सीमा मंगलवार, 31 मार्च को समाप्त हो गई, जिसमें केवल कुछ नक्सली जंगल में बचे थे, वह भी नेतृत्वविहीन राज्य में। समय सीमा के बारे में दरअसल देखा जाय तो किसी समस्या से उत्पन्न होने वाली हिंसा को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों को, पुलिस को समय देने में कोई बुराई नहीं है। ये सही है कि जब तक उन्हें ऐसा टारगेट टास्क नहीं दिया जाता है, तब तक उनके ऑपरेशन को तेज नहीं किया जा सकता है, लेकिन क्या ये कहा जा सकता है कि तय समय सीमा में लक्ष्य हासिल करने के बाद भी समस्या खत्म हो जाती है? सवाल नक्सल आंदोलन पर लागू होता है, जो लंबे समय से देश में है और अब सरकार बनने पर है। महानिदेशक के मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में विजयकुमार ने नक्सल नरसंहार का श्रेय शाह के साथ-साथ चिदंबरम को भी दिया. उनके अनुसार, इस आंदोलन में कांग्रेस और भाजपा दोनों की केंद्र की सरकारों द्वारा दिखाई गई निरंतरता सराहनीय है। रिजर्व बल के पूर्व महानिदेशक, के. दुर्गा प्रसाद ने भी मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि नक्सलियों का खात्मा होना अच्छी बात है, लेकिन अपने प्रभाव क्षेत्र के लोगों को विकास की प्रक्रिया में लाना एक बड़ी चुनौती है और इसके लिए सरकार को स्थानीय स्तर पर काफी काम करना होगा।

पश्चिम बंगाल में नक्सली विद्रोह को कुचलने के लगभग 45 साल बाद, नक्सलियों ने समाज में सामाजिक और आर्थिक असमानता और सरकार और अमीरों द्वारा किए गए अन्याय के आधार पर दंडकारण्य में प्रभाव पैदा किया। क्या यहां रहने वाले आदिवासी विकास की मुख्यधारा में आ गए हैं? क्या इस दौरान इस क्षेत्र में सरकार की सक्रियता से सामाजिक जीवन में कोई फर्क पड़ा? बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास ये पांच चीजें हैं जो विकास को गति देने के लिए जरूरी हैं। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने एक सर्वे किया। इसके मुताबिक 92 फीसदी मीडिया को नहीं पता कि आजादी क्या होती है। बहुत से लोग भाषा और संवैधानिक अधिकारों के बारे में नहीं जानते हैं। इस बात का अंदाजा नहीं है कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी गलती करता है तो उसे शिकायत करनी पड़ती है। 60 प्रतिशत माड़ियों को इस बात की जानकारी नहीं है कि स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था है। इसके लगभग 48 प्रतिशत निवासियों के पास सरकारी पहचान पत्र नहीं है। मुख्य रूप से वन खेती पर निर्भर इस जनजाति की वार्षिक आय 30,000 रुपये से कम है। हालांकि सर्वे का दायरा दक्षिण गढ़चिरौली तक ही सीमित है, लेकिन इस बात की संभावना नहीं है कि स्थिति अन्य जगहों से बहुत अलग है। बस्तर और अबुजमद गढ़चिरौली से भी ज्यादा पिछड़े हैं। इन सभी क्षेत्रों में महिलाओं की संख्या बड़ी है। इस पृष्ठभूमि में, यदि हम नक्सलवाद के अंत को देखें, तो यह आसानी से महसूस किया जा सकता है कि नवीनतम सफलता के बाद भी शासकों के सामने चुनौती कितनी कठिन है।

नक्सलियों की मौजूदगी विकास में मुख्य बाधा थी और अब जब इसे खत्म कर दिया गया है तो सरकार दावा कर सकती है कि यह क्षेत्र विकास की मुख्यधारा में आएगा। इसे स्वीकार करने से पहले कुछ और बातों का ध्यान रखना होगा। नक्सलियों का रिट्रीट 2012 में शुरू हुआ और देश के 100 जिलों में उनका प्रभाव धीरे-धीरे घटकर 40 रह गया और पिछले दो साल में यह संख्या घटकर एक अंक में आ गई है। सरकार के लिए उन क्षेत्रों में विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना संभव है जहां नक्सलियों ने वर्षों से अपनी उपस्थिति खो दी है। ऐसा क्यों नहीं हुआ? नक्सली भूपति ने हाल ही में कहा था कि यूपीए सरकार द्वारा बनाए गए दो कानून - 'वन अधिकार' और 'पेसा' आंदोलन के विकास में मुख्य बाधा थे। इन कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू क्यों नहीं किया गया? 2014 के बाद ये दो कानून हैं जो गांवों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देते हैं। गृह मंत्री के रूप में चिदंबरम ने नक्सल विरोधी अभियान चलाते हुए लगातार कानून और व्यवस्था और विकास दोनों पर ध्यान केंद्रित किया, नक्सल प्रभावित जिलों को सीधे फंड दिया, जो भाजपा के सत्ता में आने के बाद बंद हो गया और केंद्र ने विकास का मुद्दा राज्य पर छोड़ दिया। पिछले तीन वर्षों में दूर-दराज के क्षेत्रों में ढाई सौ से अधिक सुरक्षा बलों की स्थापना की गई है और सुरक्षा बलों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और उन्होंने नक्सलियों को पकड़ने या आत्मसमर्पण करने के अवसर का लाभ उठाया है। लेकिन इसी दौरान खनिज अन्वेषण में सरकार की प्राथमिकता देखी गई। इसे सुरक्षित रूप से करने के लिए, उन गांवों में 80 फुट सड़कें बनाई गईं जहां गांव नहीं थे।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लोहे और अन्य खनिजों का खनन औद्योगिक विकास की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन खदानों को पूरे क्षेत्र के विकास के रूप में चित्रित करना न केवल पूरी तरह से गलत है बल्कि प्रकृति की पूजा करने वाले आदिवासियों के जीवन के तरीके पर भी अतिक्रमण करता है। यह सच है कि कुशल और अकुशल हाथों को काम मिलता है, लेकिन इससे चुनिंदा लोगों के हित नहीं होते हैं और बड़ा वर्ग इससे वंचित रहता है। इस समूह को रोजगार योग्य बनाने के लिए स्कूलों की जरूरत है, स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य केंद्र, स्वच्छ पेयजल, आर्थिक विकास के लिए पारंपरिक कृषि में बदलाव की जरूरत है। क्या उद्योगों के कारण पेड़ों की कटाई और इन सब से होने वाले प्रदूषण, प्रकृति पूजा व्यवस्था को लगे झटके, आदिवासियों का विकास होगा या विनाश? सरकार द्वारा अपनाई गई विकास की वर्तमान अप्रोच आदिवासियों को एक और संकट में धकेल रही है, यह सब ठीक है, लेकिन कोई योजना नजर नहीं आ रही है। यह उम्मीद करना गलत है कि शिक्षा की कमी के कारण शहरी क्षेत्रों में बदलाव के साथ-साथ पिछड़े क्षेत्रों का विकास भी होगा। इसका कारण आर्थिक आय है।

इसलिए सरकार को नक्सल मुक्ति का जश्न जरूर मनाना चाहिए, लेकिन जो आदिवासी आज भी अपनी संस्कृति को संरक्षित कर रहे हैं और जंगल बचा रहे हैं, उनके मामले में शहरी विकास के मॉडल पर चलने के बजाय सतत विकास की सोच अपनानी चाहिए। नक्सलियों के खात्मे के बाद अगर खुदाई से जंगल नष्ट नहीं होते हैं तो यह नक्सली मुक्ति सार्थक होगी।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक
एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

250 परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति नहीं, बिजली कर्मचारी महासंघ ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●बिजली कर्मचारी महासंघ ने खरगोन में अपनी लंबित मांगों को लेकर सांकेतिक आंदोलन किया। यह प्रदर्शन मुख्य रूप से अनुकंपा नियुक्ति के मामलों में देरी के विरोध में किया गया। महासंघ ने वर्ष 2000 से 2012 के बीच मृत हुए बिजली कंपनी के कर्मचारियों के परिजनों के लिए अनुकंपा नियुक्ति की मांग की है। कर्मचारी प्रतिनिधियों के अनुसार, प्रदेशभर में ऐसे 2500 कर्मचारी हैं, जिनमें से जिले में 250 कर्मचारियों के परिजनों को अभी तक अनुकंपा नियुक्ति नहीं मिली है। महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कर्मचारियों की मांगों पर लंबे समय से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण आंदोलन का निर्णय लिया गया है। सामान्य मृत्यु के मामलों में आश्रित परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति न मिलने से कई परिवार आर्थिक और सामाजिक संकट का सामना कर रहे हैं। अनुकंपा नियुक्ति के अलावा, महासंघ की अन्य मांगों में संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, वेतन विसंगति का निराकरण, आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए अलग व्यवस्था, गृह जिले में स्थानांतरण और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन का समय पर भुगतान शामिल है।

इसके साथ ही सभी कर्मचारियों को समान सुविधाएं देने की मांग भी उठाई गई है। महासंघ ने ग्रेच्युटी की सीमा 20 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपए करने, पुराने कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर करने और योग्य डिप्लोमा धारकों को कनिष्ठ अभियंता पद पर नियुक्त करने की मांग भी की है। अगले चरण में, 16 अप्रैल को राजधानी भोपाल में एक बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

उपसरपंच कर रहा था शराब तस्करी, घर के पीछे जमीन में गड़ी टंकी मिली

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● भगवानपुरा क्षेत्र में उपसरपंच शंकरलाल हीरालाल मालवीय के घर से 198 लीटर अवैध देशी और विदेशी शराब जब्त की गई है। आरोपी शंकरलाल पूर्व में जिलाबदर भी रह चुका है। पुलिस ने यह कार्रवाई भग्यापुर में की। भीकनगांव एसडीओपी राकेश आर्य ने बताया कि आरोपी शंकरलाल पिता हीरालाल मालवीय ने अपने घर के पीछे खाली जमीन में गड्ढा खोदकर एक पानी की टंकी बना रखी थी। इसी टंकी में वह अवैध देशी और विदेशी शराब बेचने के लिए छिपाकर रखता था। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी भगवानपुरा निरीक्षक इलापसिंह मुजाल्दे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दबिश दी। तलाशी के दौरान घर के पीछे जमीन में छिपाई गई टंकी मिली। मिट्टी हटाकर जांच करने पर उसमें शराब की पेटियां और पाउच रखे पाए गए। पुलिस ने कुल 68 हजार 625 रुपए मूल्य की 198 लीटर देशी-विदेशी शराब जब्त की। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) और 36 के तहत कार्रवाई की गई है।

उपसरपंच पर पहले से 6 अपराधिक मामले दर्ज

आरोपी शंकरलाल मालवीय पर भगवानपुरा थाने में अवैध शराब बिक्री से संबंधित आबकारी अधिनियम के तहत पहले से छह मामले दर्ज हैं। वह गुंडा सूची में भी शामिल है। पुलिस आरोपी के क्षेत्र में फैले नेटवर्क की जांच कर रही है। फिलहाल, शंकरलाल मालवीय उपसरपंच के पद पर है। इससे पहले वह स्थानीय भग्यापुर पंचायत में पंच भी रह चुका है।

खंडवा में मंडल अध्यक्ष ने मोमोस ठेले वाले से रोज के 500 रूपए मांगे थे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा में सोशल मीडिया पर सामने आए बीजेपी मंडल अध्यक्ष के ऑडियो का मामला संगठन स्तर पर पहुंच गया हैं। गुरुवार को खंडवा आए संगठन प्रभारी ने इस मामले में जल्द कार्रवाई होने की बात कहीं है। ऑडियो में घंटाघर चौक पर लगने वाले मोमोस के ठेले वाले से 500 रुपए रोजाना की मांग की जा रही है। ऑडियो में भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहित मिश्रा और एक एमआईसी मेंबर के भतीजे विजय पंवार की ठेले वाले से बातचीत है। इसमें ठेले वालों से गुंडा टैक्स की तरह वसूली होने का खुलासा होता है। कहा जा रहा है कि मंडल अध्यक्ष और एमआईसी मेंबर के रिश्तेदार द्वारा ठेलेवाले पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। ठेले वाले ने कहा कि महीने में सिर्फ 8-10 दिन ही ठेला लगा पाता हूं। ऐसे में 500 रुपए देना हैसियत से बाहर है। ऑडियो बातचीत के अनुसार, ठेलेवाले ने कहा कि वह पूरे महीने ठेला नहीं लगा पाता है। इस पर भाजपा नेता ने कहा कि यदि ऐसा है तो जिस दिन ठेला नहीं लगा पाता है, उससे एक दिन पहले तू हमें सूचना देगा और कहेगा कि कल ठेला नहीं लगा पाऊंगा तो हम लोग उस दिन दूसरे व्यक्ति का ठेला उस जगह लगवाएंगे। इसी तरह ऑडियो में बैनर-प्लैक्स लगाने की बात भी कही गई हैं। बातचीत के दौरान भाजपा नेताओं ने ठेलेवाले से कहा कि, तू सबका ध्यान रखता है, निगम अधिकारियों को भी लेना-देना है तो हमसे क्या दिक्कत है। इस पर ठेले वाले ने बताया कि निगम का अधिकारी अजय सारसर (अतिक्रमण उड़नदस्ता प्रभारी) को वह रोजाना 5-6 प्लेट मोमोस देता हैं।

सांसद पाटिल ने रेल मंत्री से की मुलाकात खंडवा बुरहानपुर और नेपानगर ट्रेनों के ठहराव की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने अपने संसदीय क्षेत्र की रेल सुविधाओं को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। नई दिल्ली में हुई यह मुलाकात एक हफ्ते में दूसरी बार थी। उन्होंने खंडवा, बुरहानपुर और नेपानगर क्षेत्र की लंबित रेल मांगों को प्रमुखता से रखा। डीआरयूसीसी सदस्य पंकज नाटानी ने बताया कि सांसद पाटील ने रेल मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के यात्रियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। बुरहानपुर रेलवे स्टेशन के लिए सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने ट्रेन संख्या 12533-34 लखनऊ-मुंबई पुष्पक एक्सप्रेस और 07053-54 बीकानेर-काचीगुड़ा एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की।

उन्होंने इस संबंध में रेल मंत्री को एक पत्र भी सौंपा।

सांसद ने बताया कि इन ट्रेनों के ठहराव से क्षेत्र के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा और लंबी दूरी की यात्रा सुविधाजनक हो सकेगी। इसी प्रकार, नेपानगर स्टेशन के लिए ट्रेन संख्या 17605-06 काचीगुड़ा-भगत की कोठी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। साथ ही, कोरोना काल में नेपानगर में स्थगित की गई ट्रेनों को पुनः पूर्ववत शुरू करने का अनुरोध किया गया। सांसद ज्ञानेश्वर पाटील की लगातार सक्रियता के चलते अब क्षेत्र में इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय की उम्मीद बढ़ गई है। यदि इन प्रस्तावों को मंजूरी मिलती है, तो खंडवा, बुरहानपुर और नेपानगर क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। इस मुलाकात के दौरान मध्य रेल समिति के सदस्य मनोज सोनी और नरेंद्र पाटील भी उपस्थित थे।

कॉलोनाइजर को राहत देने से कोर्ट का इनकार, मीन पर कब्जे का सबूत नहीं दे पाए

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● शहर की जूनी इंदौर लाइन स्थित सुजापुर कला की विवादित जमीन को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए कॉलोनाइजर अभय जैन और आयुष जैन को राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि केवल रजिस्ट्री, नामांतरण या अन्य दस्तावेजों के आधार पर कब्जा साबित नहीं माना जा सकता, बल्कि मौके पर वास्तविक कब्जा किसका है, यही निर्णायक आधार होगा। यह मामला जमीन को लेकर अभय जैन पक्ष और रितेश गोयल पक्ष के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद से जुड़ा है। शांति भंग की आशंका के चलते पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 164 के तहत मामले को न्यायालय में प्रस्तुत किया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह देखना जरूरी है कि विवाद से पहले के 60 दिनों में जमीन पर वास्तविक कब्जा किसका था।

जैन पक्ष द्वारा प्रस्तुत रजिस्ट्री, नामांतरण और सीमांकन जैसे दस्तावेज कब्जे की स्थिति सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं पाए गए। साथ ही कोर्ट ने यह भी माना कि जैन पक्ष ने पहले कब्जा स्थापित करने के लिए कोई ठोस कानूनी कदम नहीं उठाया। कोर्ट ने मामले को मूल रूप से लेन-देन से जुड़ा सिविल विवाद मानते हुए जैन पक्ष को सिविल कोर्ट जाने की सलाह दी और धारा 164 के तहत राहत देने से इनकार कर दिया।

फैसले के बाद भी विवाद, हथियारों के साथ पहुंचे लोग

कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बावजूद विवाद ने फिर तूल पकड़ लिया। आरोप है कि अभय जैन के बेटे आयुष जैन और पिता कांतिलाल जैन 10-12 लोगों के साथ जेसीबी और वाहनों में सवार होकर विवादित जमीन पर कब्जा लेने पहुंच गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कुछ लोगों के पास धारदार हथियार थे और कांतिलाल जैन के हाथ में बल्लम जैसा हथियार देखा गया। मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस गई और मामले को शांत कराया।

आईपीएल : आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी) ● चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अपना घरेलू मैदान मजबूत गढ़ रहा है, लेकिन पंजाब किंग्स के खिलाफ शुक्रवार को चेन्नई में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में जीत हासिल करने के लिए उसे खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीमों के लिए चोट और फिटनेस एक बड़ी चुनौती है। सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी और डेवाल्ड ब्रेविस फिट न होने की वजह से पहले मैच में नहीं दिखे थे। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर तो पहले ही मुकाबले में चोट लगा बैठे थे। देखना होगा कि ब्रेविस इस मैच में खेलेंगे या नहीं। अय्यर की फिटनेस पर भी निगाह रहेगी। सीएसके की राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। युवा खिलाड़ियों से भरी उसकी टीम गुवाहाटी में किसी भी विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा।

सीएसके अब उस हार को भुलाकर नए सिरे से अपना अभियान शुरू करने की कोशिश करेगा। हाल ही में हुए टी-20 विश्व कप के दौरान चेन्नई की पिच के व्यवहार को को देखते हुए यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होना चाहिए। संजू सैमसन सीएसके के लिए अपने पहले मैच में खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे और वह इसकी भरपाई करने के लिए बेताब होंगे। गेंदबाजी की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी के आगे मैट हेनरी और नूर अहमद जैसे गेंदबाज फीके पड़ गए। वे इससे उबरने के लिए बेताब होंगे। जहां तक पंजाब किंग्स का सवाल है तो उसे ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली के रूप में तीसरे नंबर का भरोसेमंद बल्लेबाज मिल गया है।

जंपा ने आईपीएल नहीं खेलने का कारण बताया

सिडनी (एजेंसी) ● ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने आईपीएल 2026 में शामिल नहीं होने के कारणों का खुलासा किया है। जंपा ने कहा है कि उनके जैसे कौशल वाले गेंदबाज को अधिक

अवसर और पैसे मिलने की संभावना नहीं थी। इसलिए वह नीलामी से ही दूर रहे। जंपा ने आईपीएल के पिछले सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। वहीं सत्र के बाद टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था। जाम्पा अभी पाक सुपर लीग में कराची किंग्स की ओर से खेल रहे हैं। जाम्पा ने कहा, मेरे जैसे कैशल वाले खिलाड़ी को आईपीएल में अधिक पैसे नहीं मिलते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, आईपीएल में में बहुत समय देना पड़ता है, ऐसे में ये लग मुझे अपनी लिए सही नहीं लगी। जंपा ने आईपीएल में साल 20216 में पदार्पण किया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंटस जैसी टीमों के लिए खेला है। उन्होंने आईपीएल में कुल 22 मैच में 31 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट 8.37 रहा। जाम्पा ने कहा है कि वह पहले ब्रेक लेने वाले थे पर बाद में उन्हें लगा कि कुछ समय पीएसएल खेल लें।

पीसीबी ने नसीम का करियर बचा लिया : कामरान अकमल

लाहौर (एजेंसी) ●पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर कामरान अकमल ने कहा है कि विवादों में फंसे तेज गेंदबाज नसीम शाह पाक बोर्ड (पीसीबी) के कारण ही बचे हुए हैं। अगर पीसीबी उनकी सहायता नहीं करती तो उनका करियर खतरे में पड़ जाता। नसीम हाल ही में अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण परेशानी में पड़ गये थे। इसके कारण उन पर भारी भरकम जुर्माना भी लगाया गया था। इस पोस्ट में नसीम ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को मिले विशेष सम्मान पर सवाल उठाये थे हालांकि बाद में उन्होंने पोस्ट हटाकर माफी मांग ली थी पर पीसीबी ने इससे

केन्द्रीय अनुबंध शर्तों का उल्लंघन माना था। इसी को लेकर अकमल ने कहा, बोर्ड ने उसका करियर बचा लिया, अगर उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाता तो उसका करियर ही समाप्त हो जाता अकमल ने कहा कि जुर्माना बड़ा जरूर है पर वह प्रतिबंध से बच गये। इस पूर्व क्रिकेटर ने नसीम की गेंदबाजी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वह पहले 145-150 की स्पीड से गेंदबाजी करते थे, अब 135-137 पर आ गए हैं। उनकी तेजी कहां गई? हाल ही में पीएसएल के एक मैच में नसीम ने 51 रन दिए और एक भी विकेट नहीं लिया, जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस पर भी सवाल उठ रहे हैं। अकमल ने नसीम शाह को साफ सलाह दी कि उन्हें राजनीति से दूर रहना चाहिए।

खुद को अधिक सशक्त बना सकती है महिलाएं: लीसा रे

मुंबई (एजेंसी) ● सोशल मीडिया के जरिए अभिनेत्री लीसा रे ने स्पष्ट किया कि मिडलाइफ को कमजोरी या ठहराव के दौर के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह जीवन का ऐसा चरण है, जहां महिलाएं खुद को और अधिक सशक्त बना सकती हैं। अभिनेत्री ने मिडलाइफ और महिलाओं के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर खुलकर अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अब वह मिडलाइफ महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े एक प्लेटफॉर्म से जुड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में महिलाएं उन्हें फॉलो कर रही हैं, ऐसे में यह जरूरी है कि इस उम्र को लेकर सही सोच विकसित की जाए। लीसा रे ने अपने पोस्ट में लिखा कि मिडलाइफ का मतलब धीमा पड़ना नहीं है, बल्कि यह समय आगे बढ़ने और खुद को बेहतर बनाने का होता है। उन्होंने कहा कि अक्सर महिलाएं यह सोचती हैं कि हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एचआरटी) लेना चाहिए या नहीं, लेकिन उनके अनुसार असली सवाल यह नहीं है। असली बात यह है कि इस नए जीवन चरण में खुद को स्वस्थ, ऊर्जावान और आत्मविश्वास से भरपूर कैसे रखा जाए। उन्होंने यह भी माना कि हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी कई मामलों में मददगार साबित हो सकती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है, लेकिन मिडलाइफ को सिर्फ दवाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसे एक व्यापक प्रक्रिया बताया, जिसमें शरीर और मन दोनों की जिम्मेदारी खुद उठानी होती है।

गांगुली की बायोपिक की शूटिंग शुरू, 'दादा' का रोल निभा रहे राजकुमार

मुंबई (एजेंसी) ● राजकुमार राव ने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका टाइटल 'दादा' रखा गया है। इसकी जानकारी देते हुए राजकुमार ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, और यह शुरू होता है... एकमात्र दादा। बता दें कि बायोपिक को लव रंजन प्रोड्यूस और विक्रमादित्य मोटवाने डायरेक्ट कर रहे हैं। इससे पहले सौरव गांगुली ने बताया था कि फिल्म में उनका रोल राजकुमार राव निभाएंगे, हालांकि डेट्स की समस्या के कारण फिल्म को रिलीज होने में एक साल से अधिक समय लग सकता है।

उज्जैन संभाग

अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी से हंगामा, कॉलेज के छात्रों का प्रिंसिपल कक्ष में प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● माधव साइंस कॉलेज में डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी के बाद हंगामा खड़ा हो गया। डॉ. आंबेडकर विद्यार्थी संगठन के कार्यकर्ताओं ने प्रिंसिपल के कमरे में पहुंचकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रिंसिपल ने उन्हें समझाने और रोकने की कोशिश की, लेकिन कार्यकर्ता नहीं माने। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि दो दिन के भीतर आरोपियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। कॉलेज में डॉ. भीमराव अंबेडकर के खिलाफ क्लासरूम में आपत्तिजनक टिप्पणी लिखे जाने को लेकर गुरुवार को विवाद खड़ा हो गया। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। छात्र संगठन ने आरोप लगाया कि इस तरह की घटना कॉलेज में दूसरी बार हुई है। डॉ. अंबेडकर विद्यार्थी संगठन के राम सोलंकी ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि देवास रोड स्थित कॉलेज के जियोलॉजी विभाग की कक्षा में बाबा साहेब आंबेडकर के नाम से अभद्र टिप्पणी लिखी गई है। सूचना पर संगठन के सदस्य मौके पर पहुंचे, जहां क्लासरूम के बोर्ड पर आपत्तिजनक बातें लिखी मिलीं। इसके बाद कार्यकर्ता प्रिंसिपल के कक्ष में पहुंचे और उन्हें पूरे मामले से अवगत कराया। इस दौरान पुलिस भी वहां मौजूद रही। प्रिंसिपल हरीश व्यास से हल्की कहासुनी भी हुई। संगठन ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए दो दिन का समय दिया है और चेतावनी दी है कि तय समय में कार्रवाई नहीं होने पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

केमिकल कंपनी की वजह से 30 कर्मचारियों के कान खराब, सभी को हियरिंग मशीन लगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नागझिरी ओद्योगिक क्षेत्र की ओंकार केमिकल कंपनी में काम करने वाले दो दर्जन से अधिक कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि केमिकल फैक्ट्री में काम करने के दौरान उनकी सुनने की क्षमता 90 प्रतिशत तक खत्म हो चुकी है। शहर के मध्य संचालित होने वाली ओंकार केमिकल कंपनी के कर्मचारियों ने इसकी शिकायत सीएम से लेकर उज्जैन कलेक्टर रौशन सिंह तक से की है। कलेक्टर रौशन सिंह ने बताया कि एक आवेदन आया है जिसमें कंपनी के खिलाफ शिकायत की है, जांच की जा रही है ,प्रतिवेदन मिलते ही उचित कार्रवाई की जाएगी। हालात ये है कि सभी 30 कर्मचारी बिना हियरिंग मशीन के अब सुन भी नहीं सकते हैं। सभी लोग मशीन लगाकर बात कर पाते हैं। अब उनके सामने रोजी रोटी के लिए दूसरी कंपनी में कहीं काम भी नहीं मिल रहा है। हैरानी की बात तो ये है कि जो 30 से अधिक कर्मचारी बेहरेपन का शिकार हुए हैं उनकी उम्र महज 20 से 30 साल के बीच है। बरखेड़ी बाजार निवासी लखन चौहान 2022 में कंपनी में 11500 रुपए मासिक वेतन पर काम पर लगे थे, 6 माह के अंदर ही उनके कान में सीटी बजाना शुरू हुई, डाक्टरों को दिखाया तो उन्होंने चेकअप के लिए लिखा, इंदौर के एमवाय अस्पताल की जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि दोनों कान पूरी तरह से डेमेज हो चुके है। इसके बाद उन्होंने वंहा से नौकरी छोड़ दी। लखन चौहान ने बताया कि ओंकार केमिकल में लेबर का काम करता था। इस दौरान कई बार

केमिकल शरीर पर भी गिरता था। जिसके कारण दोनों कान खराब हो गए है। डॉक्टर को बताया इंदौर उज्जैन में इलाज चाल लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अब तो मेरे सहित आधा दर्जन कर्मचारियों का दिव्यांग का प्रमाण पत्र भी बन गया है। केमिकल की वजह से खराब हुआ है। कलेक्टर को शिकायत दर्ज कराई है। तीन माह में 80 प्रतिशत कान खराब मीनगांव निवासी राजेश परमार ने बताया कि ओमकार केमिकल में 2021 में काम करना शुरू किया। 10500 रुपए सैलरी मिलती थी, तीन महीने बाद ही कान में सिटी बजना भारीपन सहित आवाज कम आने की समस्या शुरू हुई। इसके बाद डॉक्टर को चेक कराया तो दोनों कान में एक में 80 और दूसरे में 90 प्रतिशत डैमेज बताया अब दूसरी कंपनी वाले काम पर भी नहीं रख रहे हैं। ना मुआवजा कंपनी ने दिया है। करीब 30 लोग ऐसे हैं जिनके कान खराब हैं।

लॉरेंस गैंग का प्रदेश में सरेंडर, व्यापारी के घर पर फायरिंग कराने की बात कबूली

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● अपराधी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे राजपाल ने मध्य प्रदेश के नागदा में अपने गांव रत्न्यखेड़ी में गुरुवार को सरेंडर किया। इस दौरान उसने खरगोन के एक व्यापारी के घर पर फायरिंग कराने की बात कबूली। राजपाल ने दावा किया कि जिस व्यापारी के घर गोली चलवाई थी, वह छोटी बच्चियों पर गलत नजर रखता था। किसानों के साथ अत्याचार करता था। उसने कहा कि इसी कारण उसे सबक सिखाने के लिए उस पर फायरिंग कराई गई थी। राजपाल ने बताया कि पहले उसके साथियों ने हमला करने की कोशिश की थी, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। इसके बाद 'हैरी बॉक्सर' नाम क एक अन्य साथी के जरिए इस वारदात को अंजाम दिया गया। राजपाल ने बताया कि पुलिस उसके परिवार को परेशान कर रही थी, इसलिए उसने यह कदम उठाया। उसने दावा किया कि देशभर की सुरक्षा एजेंसियां और कई राज्यों की पुलिस उससे पहले भी पूछताछ कर चुकी हैं।

एनआईए ने हिरासत में लेकर की थी पूछताछ- राजपाल और योगेश भाटी का नाम पहले भी कई बड़े आपराधिक मामलों में सामने आ चुका है। पंजाब पुलिस के खुफिया विभाग मुख्यालय पर हुए रॉकेट लॉन्चर अटैक में भी दोनों का नाम आया था। आरोपी दीपक रंगा को पनाह देने के आरोप में भी राजपाल और योगेश भाटी का नाम जुड़ा था। इस मामले में एनआईए ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की थी। राजपाल ने सरेंडर से पहले चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी गलत काम करेगा, उसे लॉरेंस गैंग के लोग नहीं छोड़ेंगे। उसने कहा कि हम प्रशासन की मदद करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। प्रशासन भी हमेशा हमारी मदद करता है। राजपाल जिस फायरिंग की बात कर रहा है, वह 16 मार्च को हुई थी। खरगोन के कारोबारी दिलीप सिंह राठौड़ के घर पर 3 नकाबपोश बदमाशों ने गोलियां चलाई थीं। वारदात ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे में कैद हुई, तब इसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। राठौड़ की शिकायत के अनुसार, 16 मार्च को परिवार इंदौर गया हुआ था। उनके पिता को इंटरनेशनल नंबरों से कई कॉल आए। कुछ अज्ञात लोगों से वॉट्सएप कॉल और वॉयस नोट के जरिए धमकियां मिलीं। आरोपियों ने 10 करोड़ की फिरौती मांगी थी। सबूत के तौर पर घर के बाहर फायरिंग का वीडियो भी भेजा था।

बच्ची से छेड़छाड़ पर चक्काजाम, प्रशासन ने आरोपी के अवैध कब्जे पर बने मकान को तोड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● सोयतकला इलाके में एक नाबालिग बच्ची से छेड़छाड़ की घटना के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बुधवार को हुई इस हरकत के विरोध में गुरुवार को लोग सड़कों पर उतर आए और आरोपी के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की। घटना से नाराज पीड़ित परिवार और गांव के लोगों ने थाने पहुंचकर तहसीलदार और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों की मांग थी कि आरोपी पर न सिर्फ कार्रवाई हो, बल्कि उसके अवैध कब्जे पर बने मकान को भी तोड़ा जाए। जब मांगें तुरंत पूरी नहीं हुईं, तो हिंदूवादी संगठनों के साथ मिलकर ग्रामीणों ने देहरिया गांव के पास नेशनल हाईवे 552त्न पर जाम लगा दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। हालात बिगड़ते देख प्रशासन और पुलिस की टीम तुरंत हरकत में आई। अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को समझा और आरोपी अफरोज के अवैध मकान को चिन्हित कर उस पर बुलडोजर चलवा दिया। देखते ही देखते आरोपी का अवैध निर्माण ढहा दिया गया। इस दौरान भारी

पुलिस बल तैनात रहा ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद ग्रामीण शांत हुए और हाईवे से जाम हटाया गया। मौके पर एसडीओपी देव नारायण यादव, तहसीलदार राजेश श्रीमाल और थाना प्रभारी रामगोपाल वर्मा सहित कई बड़े अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है और कानून के मुताबिक आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इष्टदेव के लिए चांदी का गदा लेकर पहुंचे श्रद्धालु आगर में हनुमान प्रकटोत्सव पर लगे 56 भोग

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● जिले में हनुमान प्रकटोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, आकर्षक श्रृंगार और विभिन्न धार्मिक आयोजन किए गए। सुसनेर में श्रद्धालुओं ने बजरंगबली को 400 ग्राम का चांदी का गदा अर्पित किया। नगर के गोपाल मंदिर स्थित वीर हनुमान मंदिर में प्रकटोत्सव पर विशेष श्रृंगार किया गया। इसमें करीब एक क्विंटल गन्ने का उपयोग कर मनमोहक सजावट की गई। बालिकाओं ने सुंदर रंगोली भी बनाई। हनुमान भक्त मंडल के मनीष सोलंकी ने बताया कि यहां 511 से अधिक कन्याओं को भोजन प्रसादी कराई गई। शाम 7:30 बजे महाआरती का आयोजन किया जाएगा। सुसनेर में भी हनुमान प्रकटोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। खेड़ापति हनुमानजी मठ मंदिर में हनुमान प्रतिमा का आकर्षक श्रृंगार किया गया। इसके बाद संगीतमय सुंदरकांड पाठ और महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में जगदीश सोनी, रमेशचंद्र सोनी, रामेश्वर सोनी और संजय सोनी द्वारा 400 ग्राम चांदी की गदा अर्पित की गई।

नगर सेठ हनुमान मंदिर, आगर में भी आकर्षक चोला श्रृंगार किया गया, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पंडित रामचंद्र शर्मा के अनुसार, यहां शाम 7:30 बजे महाआरती के बाद हनुमानजी को 56 भोग अर्पित कर प्रसाद वितरण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, शहर के अन्य हनुमान मंदिरों में भी विशेष सजावट, चोला श्रृंगार और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

राजेंद्र भारती ही नहीं, प्रदेश के अन्य विधायक भी कानूनी जाल में उलझे!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल● मध्यप्रदेश की राजनीति इस वक्त बयानबाजी या चुनावी रणनीति तक सीमित नहीं है। अदालतों में भी कई नेताओं की किस्मत तय हो रही है। ताजा मामला दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती का है, जिन्हें 27 साल पुराने एफडी हेराफेरी केस में दोषी ठहराया गया है। कोर्ट ने उन्हें तीन साल की सजा सुनाई है, हालांकि उन्हें जमानत मिल गई है। अब बड़ा सवाल उनकी विधायकी को लेकर है। कानून के मुताबिक यदि किसी जनप्रतिनिधि को दो साल या उससे ज्यादा की सजा होती है तो उसकी सदस्यता स्वत: खत्म हो सकती है। ऐसे में तीन साल की सजा ने भारती की कुर्सी को खतरे में डाल दिया है। हालांकि, उन्हें अपील के लिए 60 दिन का वक्त मिलेगा। यदि वे हाईकोर्ट से सजा पर स्थगन (स्टे) लेने में सफल हो जाते हैं तो उनकी विधायकी बच सकती है। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक उनकी सदस्यता पर संकट बना रहेगा। राजेंद्र भारती अकेले नहीं हैं। मध्यप्रदेश में इस समय करीब आधा दर्जन विधायक अलग-अलग कानूनी मामलों में उलझे हुए हैं। कोई चुनावी विवाद में फंसा है तो कोई दल-बदल, शपथ पत्र या जाति प्रमाण पत्र जैसे मामलों में। आइए समझते हैं, कौन-कौन से विधायक इस समय कानूनी संकट में हैं और उनकी स्थिति क्या है...

1. मुकेश मल्होत्रा : राहत मिली, पर खतरा टला नहीं-विजयपुर सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल उन्हें राहत देते हुए उनकी विधायकी बरकरार रखी है। साथ ही शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच के उस आदेश पर भी रोक लगा दी है, जिसमें रामनिवास रावत को विधायक घोषित किया गया था। वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा की दलीलों के बाद जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने मल्होत्रा को विधायक बने रहने की अनुमति दी है। यह राहत पूरी तरह से आजादी नहीं है। कोर्ट ने साफ किया है कि अंतिम फैसला आने तक वे राज्यसभा चुनाव में वोट नहीं डाल पाएंगे।

किसी की कुर्सी डांवाडोल तो किसी पर तलवार लटकी

2. निर्मला सप्रे: दल-बदल का आरोप, कोर्ट में केस-सागर जिले की बीना सीट से विधायक निर्मला सप्रे का मामला दल-बदल कानून से जुड़ा है। वर्ष 2023 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतने वाली निर्मला सप्रे 5 मई 2024 को लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के साथ बीजेपी कार्यक्रम में नजर आई थीं। इसके बाद उनके बीजेपी में शामिल होने की चर्चाएं तेज हो गईं।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने उनकी सदस्यता खत्म करने के लिए स्पीकर के पास याचिका दायर की, जिसमें संविधान की 10वीं अनुसूची का हवाला दिया गया। जब इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ तो मामला हाईकोर्ट पहुंच गया। हाल ही में सुनवाई के दौरान निर्मला सप्रे ने अदालत में कहा है कि वे अब भी कांग्रेस में हैं।

3. अभय मिश्रा: हलफनामे में जानकारी छिपाने का आरोप-रीवा की सेमरिया सीट से सिर्फ 637 वोटों से जीतने वाले कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा भी कानूनी संकट में हैं। जबलपुर हाईकोर्ट ने उनकी जीत को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करने से इनकार कर केस को ट्रायल के लिए आगे बढ़ा दिया है।

बीजेपी प्रत्याशी कृष्णपति त्रिपाठी ने आरोप लगाया है कि मिश्रा ने नामांकन के दौरान अपने शपथ पत्र (फॉर्म-26) में आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाई। आरटीआई के जरिए 9 मामलों का हवाला दिया गया है। इसके अलावा उन पर बैंक से लिए गए लोन की जानकारी छिपाने का भी आरोप है। दावा है कि 23 लाख का लोन बढ़कर 50 लाख से ज्यादा हो गया था, जिसे उन्होंने घोषित नहीं किया।

4. आरिफ मसूद: सुप्रीम कोर्ट से राहत, पर मामला खत्म नहीं-भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के खिलाफ फर्जी सेल डीड से जुड़े मामले में हाईकोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। मामला इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज के संचालन से जुड़ा है। हाईकोर्ट ने पुलिस कमिश्नर को एफआईआर दर्ज करने और डीजीपी को एसआईटी गठित करने तक के निर्देश दिए थे।

मसूद ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जहां उन्हें राहत मिली। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश को निरस्त करते हुए कहा कि सरकार का पक्ष सुने बिना ऐसा आदेश देना उचित नहीं था।

5. गौतम टेटवाल: जाति प्रमाण पत्र विवाद में फंसे मंत्री-सारंगपुर से विधायक और राज्यमंत्री गौतम टेटवाल जाति प्रमाण पत्र विवाद में घिरे हुए हैं। इंदौर हाईकोर्ट में इस मामले में कई विरोधाभासी दस्तावेज सामने आए हैं।

याचिकाकर्ता कोमलप्रसाद शाक्य का आरोप है कि टेटवाल ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर चुनाव लड़ा था। उनके अनुसार, पुराने रिकॉर्ड में उनकी जाति 'जीनगर' दर्ज है, जबकि नए दस्तावेजों में 'मोची' बताया गया है।

6. संजय पाठक: जज को फोन करना पड़ा भारी-मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए विजयराघवगढ़ से बीजेपी विधायक संजय पाठक के खिलाफ क्रिमिनल कंटेंप्ट की कार्रवाई के आदेश दिए हैं। मामला न्यायाधीश को फोन कर केस पर चर्चा करने की कोशिश से जुड़ा है, जिसे कोर्ट ने न्यायिक प्रक्रिया में गंभीर हस्तक्षेप माना है।

हाईकोर्ट ने इस केस को अत्यंत गंभीर मानते हुए स्वत: संज्ञान लिया और साफ किया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। कोर्ट के आदेश के बाद अब विधायक संजय पाठक के खिलाफ विधिवत क्रिमिनल कंटेंप्ट का मामला दर्ज होगा। यह मामला कटनी के सामाजिक कार्यकर्ता आशुतोष दीक्षित की याचिका से सामने आया है। याचिका माइनिंग से जुड़े आरोपों को लेकर दायर की गई थी, जिसमें विधायक पर गंभीर सवाल उठाए गए थे।

अगले दो दिनों में 3 से 4 डिग्री तक गिर सकता है तापमान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गुरुवार शाम को सूरज ढ़लते ही तापमान में बदलाव शुरू हो गया। तेज हवाओं के साथ बिजली चमकने के साथ बूंदा-बांदी भी हुई। गुरुवार को तूफानी हवाओं के बीच बूंदा-बांदी देखने को मिली। इस बदलते मौसम के कारण आगामी दिनों में तापमान में कभी गिरावट देखने को मिलेगी। अगले कुछ ही दिनों में पारा 3 से 4 डिग्री तक गिरने का अनुमान है। मौसम केंद्र के अनुसार गुरुवार को दिन का अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री कम रहा। वहीं बुधवार को यह 36.5 डिग्री रहा था। वहीं बुधवार रात से गुरुवार सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री और एक रात पहले की अपेक्षा 1.6 डिग्री ज्यादा था।

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने नगर निगम के खाते में जमा किए डेढ़ करोड़ रुपए

शिवाजी मार्केट की 16 दुकानें टूटेंगी अंडरग्राउंड मेट्रो को मिलेगा रास्ता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा अंडरग्राउंड मेट्रो निर्माण का कार्य आरंभ कर दिया गया है यह काम शहर के मध्य क्षेत्र में तेजी से चल रहा है, जिसमें नगर निगम के मार्केट, पुलिस थाना और दुकानें सहित अन्य निर्माण बाधक बन रहे हैं, जिसको हटाने का काम जल्द ही शुरू होगा। वर्तमान में नगर निगम मुख्यालय के पास मराठी स्कूल परिसर के पीछे अंडरग्राउंड मेट्रो के लिए खुदाई जारी है।

टीबीएम के लिए रास्ता हो रहा तैयार- यहां टनल बोरिंग मशीन के लिए रास्ता तैयार किया जा रहा है। आगामी समय में यहां से टनल बोरिंग मशीन के माध्यम से खुदाई की जाएगी। इस काम के लिए नगर निगम की शिवाजी मार्केट की 16 दुकानें हटाई जाएंगी। फिलहाल मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने जितनी जमीन की आवश्यकता है, मार्केट से केवल उसी हिस्से की दुकानें हटाई जा रही हैं, जिसके लिए निगम के खाते में मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने निगम के खाते में गुरुवार को डेढ़ करोड़ रुपए जमा किए हैं। अंडरग्राउंड खुदाई का डर दूर करने प्रयास निगम एवं मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन में स्पष्ट कर दिया है कि मेट्रो निर्माण के दौरान किसी भी रहवासी के मकान को नहीं हटाया जाएगा। क्षेत्र में मकान हटाने अंडरग्राउंड खुदाई को लेकर रहवासियों में दशहत थी, लेकिन मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन अधिकारी और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की समझाइश के बाद रहवासियों का डर दूर हुआ है।

अगले सप्ताह हटाई जाएंगी दुकानें-मार्केट विभाग के अपर आयुक्त आकाश सिंह ने बताया कि इधर नगर निगम द्वारा शिवाजी मार्केट की जमीन देने पर सहमति बन गई है, साथ शिवाजी मार्केट हटाने को लेकर भी प्रक्रिया तेजी से चल रही है। यहां की सभी 125 दुकानें हटाई जाएंगी। नगर निगम ने मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन से डेढ़ करोड़ रुपए की राशि निगम से डिमांड की थी, क्योकि 16 दुकानें हटाई जानी हैं। ये दुकानें खाली करवा ली गई हैं। बीते एक साल से दुकानें हटाने नोटिस निगम की ओर दुकानदारों को दिए हैं। वहीं, अपर आयुक्त सिंह ने बताया कि मल्हारगंज थाना और यहां बनी दुकानें भी हटाई जानी है। लगभग पांच दुकानें मल्हारगंज थाने की बाउंड्रीवॉल से लगी हुई हैं जिन्हें हटाया जाएगा।

रिवर फ्रंट विकसित करने में देरी

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि शिवाजी मार्केट पर रिवर फ्रंट डेवलप करने की योजना पिछले साल बनाई गई थी, लेकिन मार्केट हटाने में विलंब हो रहा है। यहां मेट्रो खुदाई पूरी होने के बाद रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा। हालांकि जब तक मेट्रो का काम चलेगा, यह संभव नहीं है। सभी जायज दुकानदारों के लिए नंदलालपुरा सब्जी मंडी के पास बनाए गए मार्केट में दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया चल रही है।

सिमरोल में सरकारी नाले पर अतिक्रमण

जनहित याचिका दायर; प्राकृतिक जल निकासी मार्ग बाधित करने का मामला, कॉलोनाइजर सहित अन्य को नोटिस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● डॉ. अंबेडकर नगर (महू) तहसील के सिमरोल गांव में सरकारी भूमि और प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली पर कथित अतिक्रमण को लेकर इंदौर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दायर इस रिट याचिका में सर्वे नंबर 890 पर दर्ज सार्वजनिक भूमि के संरक्षण के लिए कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। गुरुवार को मामले में सुनवाई हुई। इसमें कोर्ट ने कॉलोनाइजर सहित अन्य को नोटिस जारी कर तलब किया गया है।

राजस्व अभिलेखों के अनुसार सर्वे नंबर 890 सरकारी नाले/प्राकृतिक जल मार्ग के रूप में दर्ज है, जो क्षेत्र की प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मानसून के दौरान इस

मार्ग से भारी मात्रा में वर्षा जल बहता है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कॉलोनाइजर राजू पेंड्रावाला, अनुराग पांडिया और उनकी फर्म पेंड्रावाल एस्टेट ने सर्वे नंबर 889 स्थित अपनी निजी भूमि पर 'विराज ग्रीन्स' नामक आवासीय कॉलोनी विकसित करते समय उससे सटी सरकारी भूमि (सर्वे नंबर 890) पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर लिया। आरोप है कि प्राकृतिक जल निकासी मार्ग में मिट्टी और निर्माण मलबा डालकर उसे संकरा कर दिया गया, जिससे पानी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित हो रहा है।

याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट ऋषि कुमार चौकसे ने तर्क दिए कि इस प्रकार का अवैध कब्जा न केवल सरकारी भूमि पर अतिक्रमण है, बल्कि इससे आसपास के रहवासियों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और पास स्थित एक सरकारी कन्या छात्रावास को भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। मानसून के दौरान संभावित बाढ़ और जलभराव की स्थिति से बड़े नुकसान की आशंका जताई गई है।

याचिकाकर्ता का आरोप है कि जिला कलेक्टर और सार्वजनिक भूमि संरक्षण प्रकोष्ठ को शिकायत देने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। कानूनी आधार के रूप में याचिका में मप्र हाई कोर्ट के पूर्व निर्णय ग्राम पंचायत धूमा बनाम मध्य प्रदेश राज्य (2021) का हवाला दिया गया है, जिसमें स्पष्ट किया गया था कि 'निस्तार भूमि', 'चरनोई', 'तालाब', 'नदी' या अन्य सार्वजनिक उपयोगिता की भूमि पर किसी भी प्रकार के अतिक्रमण की अनुमति नहीं दी जा सकती।

करोड़ों का एमवाय अस्पताल, फिर भी 'जुगाड़' से निकाल रहा है समाधान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एम वाय अस्पताल में सीपेज की समस्या दूर करने के लिए अब 'जुगाड़ तकनीक' अपनाई जा रही है। अस्पताल की छतों पर हैलोजन लाइट लगाकर दीवारों और छत की नमी को सुखाने की कोशिश की जा रही है, जिसकी तस्वीरें सामने आने के बाद यह व्यवस्था चर्चा का विषय बन गई है। अस्पताल के अंदर छत पर ट्यूब लाइट के साथ अस्थायी तरीके से हैलोजन और खुले तार लटकते नजर आ रहे हैं। इन हैलोजन का उपयोग सीपेज वाली जगहों को गर्म कर नमी खत्म करने के लिए किया जा रहा है। हालांकि विशेषज्ञों के अनुसार यह केवल अस्थायी उपाग है और इससे समस्या जड़ से खत्म नहीं होती।

ओटी कॉम्प्लेक्स एक साल से बंद- सीपेज की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रथम मंजिल पर बना अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर (ओटी) कॉम्प्लेक्स करीब एक साल से तैयार होने के बावजूद शुरू नहीं हो पाया है। नमी और लीकेज के कारण यहां हाई-टेक मशीनें इंस्टॉल नहीं की जा सकीं। जानकारी के मुताबिक, सीपेज की समस्या खत्म करने के लिए पीडब्ल्यूडी के माध्यम से अब तक लाखों रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसके तहत नई ड्रेनेज पाइपलाइन डाली गई। टॉयलेट्स का रिनोवेशन किया गया। उत्त और दीवारों की मरम्मत कराई गई। इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

सुरक्षा पर भी उठ रहे सवाल

छत पर खुले तारों और अस्थायी फिटिंग को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर इस तरह की व्यवस्था मरीजों और स्टाफ की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है, शार्टसंकिर्ट से आग भी लग सकती है। हैलोजन लगाकर सीपेज सुखाने की यह कोशिश भले ही फिलहाल नाहत दे रही हो, लेकिन यह समस्या का स्थाई समाधान नहीं है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर करोड़ों की लागत से संचालित इस बड़े अस्पताल में बुनियादी समस्या का स्थाई हल कब निकलेगा। इस पूरे मामले ने अस्पताल प्रबंधन और पीडब्ल्यूडी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए है। अब देखना होगा कि जिम्मेदार विभाग इस 'जुगाड मॉडल' से आगे बढ़कर कोई ठोस और स्थाई समाधान कब तक निकालते हैं।

प्रदेश की 5,600 फैक्ट्रियां बंद होने के कगार पर 20 हजार कर्मचारियों को निकाला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध का असर अब मध्य प्रदेश के 'डेट्रॉयट' कहे जाने वाले औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर पर साफ दिखने लगा है। उद्योग संचालकों का कहना है कि हालात जल्द नहीं सुधरे तो आने वाला समय उद्योगों और मजदूरों के लिए मुश्किल भरा हो सकता है। पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष डॉ. गौतम कोठारी के मुताबिक, यहां से होने वाला एक्सपोर्ट लगभग पूरी तरह रुक गया है। कच्चे माल की महंगाई और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग संकट के चलते उद्योगपति प्रोडक्शन घटा रहे हैं। इसका सीधा असर रोजगार पर पड़ा है। फैक्टरियों में शिफ्ट कम हो रही हैं। कई जगह शट-डाउन की स्थिति बन गई है। सबसे ज्यादा असर अस्थायी मजदूरों पर पड़ा है। अनुमान है कि करीब 20 हजार कॉन्ट्रैक्ट वर्कर काम से बाहर हो चुके हैं। वहीं कई कंपनियों ने स्थायी कर्मचारियों को भी ले-ऑफ (छंटनी) पर डालकर आधी सैलरी देना शुरू कर दिया है।

पांच दिन से काम बंद, हमारी छुट्टी कर दी गई

सेज सेक्टर की एक फार्मा कंपनी में काम करने वाले लेबर नीतेश बघेल ने बताया- मैं प्लास्टिक फैक्ट्री में काम करता हूं। कंपनी में प्लास्टिक दाना महंगा होने से 5 दिन से काम बंद है, इसलिए हमारी भी छुट्टी कर दी गई।

सरकार अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार रही

पीथमपुर औद्योगिक संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि ऐसी क्राइसिस में हम सरकार का मुंह देखते हैं। बाकी समय तो सरकार हमारा मुंह देखती है, क्योंकि हम उन्हें टैक्स देते हैं। उन्हें जीडीपी में योगदान देते हैं, अगर आपने गैस कम कर दी तो यह कोई क्राइसिस मैनेजमेंट नहीं है। मैनेजमेंट तो तब होता, जब इंडस्ट्री की आवश्यकता के अनुसार हर चीज का निर्धारण होता है। सरकार समस्या को नकारते हुए बाहरी रूप से अगर उसे मैनेज कर रही है तो यह क्राइसिस मैनेजमेंट नहीं, बल्कि अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना है।

न्याय नगर संस्था की जमीन पर बसी अवैध कृष्णबाग कॉलोनी के मकान तोड़े जाएंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमआर-10 से लगी न्याय नगर संस्था की जमीन पर बसी अवैध कृष्णबाग कॉलोनी के 71 मकान पूरी तरह से टूटेंगे। हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट तक की लड़ाई में यहां के रहवासियों को हार मिली है। पांच साल से चल रही इस लड़ाई में जुलाई 2024 में 15 से ज्यादा मकान बारिश के बीच टूटे थे। इसके बाद भी छुटपुट कार्रवाई हुई थी, फिर स्टे आने के बाद मामला अटक गया था। इसके बाद श्रीराम बिल्डर्स ने फिर कोर्ट की शरण ली थी, वहां से जिला प्रशासन को जमीन खाली करवाने के आदेश मिले हैं। इसी के बाद जूनी इंदौर तहसील में आने वाली इस कॉलोनी के 71 मकानों को तोड़ने की तैयारी जिला प्रशासन ने शुरू कर दी है। कई दिनों से मौके पर निशान भी लगाए जा रहे थे और नोटिस भी जारी हुए थे। अब लगभग तैयारी पूरी हो चुकी है। संभवत: इसी सप्ताह यहां कार्रवाई हो भी जाएगी। यहां जो मकान बने हैं, उनमें हर रहवासी की अपनी कहानी है। कोई निमाड़ से आकर यहां बसा तो कोई भिंड-मुरैना या ग्वालियर से। एक रहवासी ने किसी नागर नामक व्यक्ति से 10.50 लाख में प्लॉट खरीदा था। तब नागर ने भरोसा दिलाया था कि सब कुछ लीगल है। जुलाई 2024 में अचानक नोटिस आया और मकान टूट गया।

परिवार को किराए के घर में शिफ्ट होना पड़ा। इसी तरह यादव परिवार ने बताया कि 12 साल पहले मोहसिन नामक व्यक्ति से 4 लाख रुपए में प्लॉट खरीदा था। फिर मकान बनाया। चार बेटियां और एक बेटा है। एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि जिस व्यक्ति को प्लॉट बेचा था, मैंने उनसे 2014 में दोनों मकान खरीदे थे। इसमें से एक मकान में किराएदार थे, दूसरा खाली था। मुझे नोटिस की जानकारी नहीं मिली। एक हफ्ते पहले टीम क्रॉस का निशान लगाकर चली गई।

मेसर्स श्रीराम बिल्डर्स तर्फे पार्टनर शशि भूषण खंडेलवाल ने हाई कोर्ट की इंदौर बेंच में याचिका 2023 में दायर की। इसमें 25 अक्टूबर 2023 को आदेश पारित कर 45 दिन में अतिक्रमण हटाए जाने के आदेश किए गए। इसका पालन न होने पर मेसर्स श्रीराम बिल्डर्स ने अवमानना याचिका (109/2024) लगाई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।